दैनिक
# भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

**भीम प्रज्ञा अलर्ट**

'सत्य की राह भले ही कठिन हो, लेकिन वही रास्ता आत्मसम्मान, विश्वास और स्थायी सफलता तक पहुंचाता है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-144 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 18 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

## सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

### मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

## 'सत्य की राहः संघर्ष भरी, लेकिन विजय सुनिश्चित '

मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म क्या है? यह प्रश्न जितना सरल दिखता है, उतना ही गहन है। यदि इसके मूल में जाएं तो उत्तर स्पष्ट मिलता है–सत्य। सत्य केवल एक नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की वह आधारशिला है जिस पर व्यक्तित्व, समाज और राष्ट्र की नींव टिकी होती है। सत्य बोलना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है, लेकिन उस सत्य पर हर परिस्थिति में अडिग रहना वास्तव में साहस, धैर्य और चरित्र की सबसे बड़ी परीक्षा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज के दौर में, जब प्रतिस्पर्धा और तात्कालिक सफलता का दबाव लगातार बढ़ रहा है, तब झूठ और छल का मार्ग कई बार अधिक सरल और आकर्षक प्रतीत होता है। लोग सोचते हैं कि थोड़े से असत्य के सहारे वे जल्दी सफलता हासिल कर लेंगे, अपनी समस्याओं से बच निकलेंगे या परिस्थितियों को अपने पक्ष में कर लेंगे। लेकिन यह सफलता केवल क्षणिक होती है। झूठ की नींव पर खड़ा कोई भी भवन स्थायी नहीं होता। जैसे ही समय का झोंका आता है, वह ढह जाता है और पीछे छोड़ जाता है केवल पछतावा और अविश्वास। इसके विपरीत, जो व्यक्ति सत्य के मार्ग को अपनाता है, वह भले ही प्रारंभ में संघर्ष का सामना करे, लेकिन अंततः वही स्थायी और सम्मानजनक सफलता प्राप्त करता है। सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति भीतर से निडर होता है। उसे किसी से छिपने या डरने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि उसकी अंतरात्मा उसके साथ होती है। यही आंतरिक शांति और आत्मविश्वास उसे हर कठिन परिस्थिति में मजबूत बनाए रखते हैं।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि असत्य चाहे कितनी भी ताकतवर क्यों न दिखाई दे, उसकी उम्र सीमित होती है। बड़े-बड़े साम्राज्य, जो अन्याय और असत्य के आधार पर खड़े हुए, अंततः समय की धूल में मिल गए। वहीं सत्य और न्याय के पक्ष में खड़े लोगों को भले ही तत्काल सफलता न मिली हो, लेकिन उन्होंने समाज और इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। 'सत्यमेव जयते' केवल एक नारा नहीं, बल्कि यह जीवन का शाश्वत सिद्धांत है, जो हमें हर परिस्थिति में सत्य का साथ देने की प्रेरणा देता है। कठिन समय वास्तव में हमारे व्यक्तित्व की असली परीक्षा होती है। जब सब कुछ हमारे अनुकूल होता है, तब सत्य और नैतिकता की बात करना आसान होता है। लेकिन जब परिस्थितियाँ विपरीत होती हैं–जब हमारे सामने संकट, भय, या हानि का डर होता है–तभी यह तय होता है कि हम वास्तव में कितने सच्चे और मजबूत हैं। ऐसे समय में यदि हम असत्य का सहारा लेते हैं, तो हम केवल एक परिस्थिति से नहीं हारते, बल्कि अपने चरित्र से भी समझौता कर लेते हैं। यह भी समझना आवश्यक है कि सत्य का मार्ग हमेशा आसान नहीं होता। इसमें धैर्य की आवश्यकता होती है, समय की प्रतीक्षा करनी पड़ती है, और कई बार अकेले भी खड़ा रहना पड़ता है। लेकिन यही संघर्ष हमें मजबूत बनाता है। यही संघर्ष हमारे व्यक्तित्व को निखारता है और हमें एक बेहतर इंसान बनाता है। वर्तमान समाज में, जहां त्वरित सफलता को अत्यधिक महत्व दिया जा रहा है, वहां सत्य और धैर्य जैसे मूल्यों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। यदि हम केवल परिणामों पर ध्यान केंद्रित करेंगे और साधनों की शुद्धता को नजरअंदाज करेंगे, तो हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ेंगे जहां विश्वास, नैतिकता और पारदर्शिता का स्थान समाप्त हो जाएगा। यह किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र और सामाजिक व्यवस्था के लिए घातक है। हमें यह याद रखना चाहिए कि 'वक्त बुरा हो सकता है, लेकिन सत्य और धैर्य की शक्ति उसे बदलने की क्षमता रखती है।' हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है, और हर कठिन परिस्थिति के बाद एक नया अवसर आता है। यदि हम इन कठिन क्षणों में भी सत्य का साथ नहीं छोड़ते, तो सफलता देर से ही सही, लेकिन अवश्य मिलती है–और वह सफलता स्थायी होती है, सम्मानजनक होती है।

**अंततः**, यह निर्णय हमें स्वयं लेना होता है कि हम किस मार्ग पर चलना चाहते हैं–असत्य के उस आसान लेकिन अस्थायी रास्ते पर, या सत्य के उस कठिन लेकिन स्थायी और गौरवपूर्ण मार्ग पर। समाज, परिवार और राष्ट्र के निर्माण में हमारा योगदान इसी निर्णय पर निर्भर करता है।

इसलिए, परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, हमें सत्य की राह से विचलित नहीं होना चाहिए। धैर्य, साहस और विश्वास के साथ यदि हम इस मार्ग पर चलते रहें, तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

**अंततः–सत्य परेशान हो सकता है, पराजित कभी नहीं।**

# आतंकियों की पिस्टल छीनकर भिड़ गए थे जांबाज थानेदारः 40 साल बाद भी शहीद का दर्जा नहीं

**अब बेटियां लड़ रहीं सम्मान के लिए जंग**

भीम प्रज्ञा न्यूज

**जयपुर।** राजस्थान की दो बेटियां अपने पिता के सम्मान के लिए जंग लड़ रही हैं। करीब 40 साल पहले उनके पिता स्व राजेंद्र सिंह शेखावत ने आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। अफसोस आज तक उन्हें न तो शहीद का दर्जा मिला और न ही वह सम्मान जिसके वे हकदार थे।

### पूरी घटना क्या थी?

15-16 अप्रैल 1986 की दरम्यानी रात 2:40 बजे उदयपुर की सूरजपोल चौकी पर खालिस्तान मूवमेंट से जुड़े आतंकवादियों (हरजिंदर सिंह 'जिंदा', सुखविंदर सिंह 'सुखी', कुशचे और छिंदा) का पुलिस के साथ आमना-सामना हो गया। ये चारों पंजाब में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का बदला लेने के लिए सेना के जनरल एएस वैद्य की हत्या करने पुणे जा रहे थे। चारों एक कार में सवार थे। इसी दौरान रास्ता भटक गए और उदयपुर शहर आ गए।

संयोग से उसी दिन, उदयपुर के एक कॉलेज के छात्रों की स्थानीय लोगों के साथ झड़प हो गई थी। इसी सिलसिले में पुलिस ने वहां नाकाबंदी कर रखी थी। नाकाबंदी से घबराकर आतंकवादियों ने गाड़ी से उतरकर गोलीबारी शुरू कर दी। कानून-व्यवस्था संभालने में जुटे पुलिसकर्मी इस अचानक हुए हमले से हैरत में पड़ गए। इस बीच सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत अपने साथियों के लिए ढाल बनकर आगे आए और एक आतंकवादी के हाथ से पिस्तौल छीन ली। इस हाथापाई के दौरान गोली चल गई, जो सीधे शेखावत की छाती में जा लगी और उनकी मौत हो गई।

हालांकि, उस समय राजेंद्र सिंह की ड्यूटी वहां नहीं थी। गश्त की ड्यूटी खत्म करने के

बाद, हाजिरी पूरी करने के लिए सूरजपोल कंट्रोल रूम की ओर जा रहे थे। वहीं उन्होंने आतंकवादियों को गोलीबारी करते देखा और काबू करने की कोशिश की। उनके साथ-साथ डिप्टी SP रोशनलाल मधुर की भी गोली लगने से मौत हो गई थी, जबकि तत्कालीन डिप्टी सुरेश चंद्र पांड्या (सेवानिवृत्त ASP) और तत्कालीन SDO कैलाश चंद्र वाजपेयी गोली लगने से घायल हो गए थे। आतंकवादी वहां से फरार होने में कामयाब रहे। माना जाता है कि यह राजस्थान के इतिहास की पहली आतंकवादी घटना थी।

### 2019 में शहादत को सम्मान मिला, लेकिन वह अधूरा था

7 साल पहले उदयपुर की तत्कालीन डीसी विनीता ठाकुर ने पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर विभाग के शहीदों में राजेंद्र सिंह शेखावत को भी याद किया और मंच पर प्राची और रुचि को सम्मानित किया। राजेंद्र सिंह की शहादत के बाद यह अपनी तरह का पहला सम्मान था, जो उनके परिवार को मिला। हालांकि, यह सम्मान भी अधूरा ही रहा।

प्राची शेखावत कहती हैं कि भले ही यह देर से मिला, लेकिन वह शुक्रगुजार थीं कि विभाग को आखिरकार उनके पिता की याद आई। यह हमारे लिए बहुत मायने रखता था। हमारे दिल के किसी कोने में यह चाहत रह गई कि यह पहचान तब मिली होती, जब हमारी मां जिंदा थीं। उन्होंने अपने पिता के सम्मान के लिए पूरी जिंदगी संघर्ष किया।

### 40 साल का कभी न खत्म होने वाला इंतजार

जब राजेंद्र सिंह ने आतंकवादियों से लोहा लेते हुए जान गंवाई, तो उनकी बड़ी बेटी रुचि 11 साल और छोटी बेटी प्राची कुछ ही महीनों की थी। बेटियों ने बताया कि पिता की मौत के बाद सब कुछ बिखर गया था। दो साल बाद मां को 'मृतक आश्रित कोटे' के तहत पिता की जगह सब-इंस्पेक्टर की नौकरी मिल गई। प्राइवेट विश्वविद्यालय में एक विभाग की प्रमुख डॉ. रुचि कहती हैं- पापा की शहादत के समय मेरी मां वीनू शेखावत 29 साल की थीं। जिस उम्र में लोग अपनी जिंदगी बसाते हैं, उस उम्र में मेरी मां की दुनिया उजड़ गई थी। सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए मां ने काम करने का फैसला किया और दो बेटियों की जिम्मेदारियों के साथ हमारे शहीद पिता को सम्मान दिलाने की कोशिशें कीं।

मां ने अलग-अलग स्तरों पर पुलिस और प्रशासन के साथ लगातार पत्राचार किया। शहर के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों, पुलिस मुख्यालय और कोर्ट से अपने पति की शहादत से जुड़े सबूत इकट्ठे किए। दुर्भाग्यवश ये सारी कोशिशें नाकाफी साबित हुईं। 2012 में वीनू शेखावत की कोशिशों की बदौलत राजस्थान पुलिस ने पहली बार राजेंद्र शेखावत को सम्मानित करने की प्रक्रिया शुरू की। तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव ने भी गृह विभाग को जरूरी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। दस्तावेजों की अनुपलब्धता के कारण यह काम नहीं हो पाया। इसी दुख और गम के बीच, राजस्थान पुलिस में सेवा देने के बाद 2017 में वीनू शेखावत का निधन हो गया। इसके बाद बेटियों ने अपने पिता की पहचान और सम्मान के लिए लड़ाई लड़ने का फैसला लिया। छोटी बेटी और सीनियर RAS अधिकारी प्राची याद करती हुईं कहती हैं- मां के गुजर जाने के बाद, मुझे वे दस्तावेज देखने का मौका मिला, जिन्हें उन्होंने सालों की मेहनत से इकट्ठा किया था। साथ ही उनकी कुछ पुरानी डायरियां भी। उन पन्नों में उन्होंने अपना दर्द बयां किया था। उन्होंने लिखा था कि कैसे हमारे पिता को वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे और कैसे वह पूरी जिंदगी उनकी पहचान के लिए लड़ती रहीं। 2019 में जब पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिकों के लिए पूरे देश की आंखें नम थीं, तब उन्हें अपने पिता की शहादत का महत्व और भी ज्यादा समझ में आया। तब से उन्होंने अपने पिता के अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई और तेज कर दी है।

### किस्मत हमें उसी जगह वापस ले आई, जहां हमने सब कुछ खो दिया था

प्राची याद करती हुईं बताती हैं- मेरे पिता की शहादत के बाद मेरी मां कभी उदयपुर वापस नहीं आना चाहती थीं। उन्होंने अपनी नौकरी का ज्यादातर समय जोधपुर में बिताया। उस शहर से दूर रहने की कोशिश की, जहां उनसे सब कुछ छिन गया था। किस्मत के कुछ और ही इरादे थे। हम दोनों बहनों की शादी उदयपुर में ही हुई। समय के साथ, मां भी यहीं वापस आ गईं। कुछ साल पहले, इसी शहर में उनका निधन हो गया। प्राची और रुचि बताती हैं- आज भी जब हम सूरजपोल चौराहे से गुजरते हैं, तो वह पूरा मंजर हमारी आंखों के सामने आ जाता है। वह रात जिसने हमारी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी।

अगर वह यह देख पातीं, तो उन्हें लगता कि उनके पति के बलिदान को भुलाया नहीं गया है।

फिर भी प्राची अपना दुख जाहिर किए बिना नहीं रह पातीं। वह सवाल करती हैं- सबसे बड़ा दुख यह है कि मेरे पिता को कभी भी आधिकारिक तौर पर शहीद का दर्जा नहीं दिया गया। जब सेना का कोई जवान शहीद होता है, तो उसका परिवार भी उतना ही दर्द सहता है और वैसी ही मुश्किलों का सामना करता है, जैसा कि एक पुलिस अधिकारी का परिवार करता है। तो फिर दोनों के साथ अलग-अलग बर्ताव क्यों किया जाता है? हमारे दर्द को अलग-अलग श्रेणियों में क्यों बांटा जाता है?

## मेघवंशी प्रीमियर लीग (महिला वर्ग) का सफल समापन, 150 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

### ग्रामीण प्रतिभाओं को मिला मंच, विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से 'फिट इंडिया' का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीगंगानगर।

**रवि लोहिया ।** ग्रामीण क्षेत्र की महिला प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कालिया गांव में आयोजित दो दिवसीय मेघवंशी प्रीमियर लीग (महिला वर्ग) प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में लगभग 150 महिला खिलाड़ियों ने भाग लेकर बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, म्यूजिकल चेयर तथा चम्मच दौड़ जैसी विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चेयरमैन जगदीश जोईयां ने बताया कि इस खेल महोत्सव को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 500 एलएनपी द्वितीय की प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन लोहिया द्वारा प्रायोजित किया गया, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को एक सशक्त मंच प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन महाराज श्री लोकराम जी मौजानदी एवं पंडित मदनलाल के सानिध्य में भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि भाजपा लोकसभा प्रत्याशी प्रियंका मेघवाल रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथियों में सब रजिस्ट्रार हनुमानगढ़ एवं एसडीएम श्रीमती ममता लहुआ, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कालियां की प्रधानाचार्य श्रीमती निर्मला चारण तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 500 एलएनपी द्वितीय की प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन लोहिया उपस्थित रहीं। कोषाध्यक्ष उमेश लोहिया ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में महिला कमेटी की सदस्य कौशल्या देवी, भगवती बामणिया, हुरमत बाई, विद्या देपाल

और सुनीता परिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता के माध्यम से 'फिट इंडिया' अभियान का संदेश प्रभावी रूप से दिया गया।समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में दिव्या बामणियां विजेता एवं अर्पिता परिहार उपविजेता रहीं। कैरम में दिव्या बेगड़ विजेता व कंचन बेगड़ उपविजेता रहीं, जबकि शतरंज में कंचन बेगड़ विजेता व दिव्या बेगड़ उपविजेता बनीं। म्यूजिकल चेयर में श्रीमती वीरु लोहिया विजेता व श्रीमती विजन्ता लोहिया उपविजेता रहीं। चम्मच दौड़ में श्रीमती वीरु लोहिया ने प्रथम तथा श्रीमती उमा भारती बेगड़ ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता में कशिश लहुआ विजेता एवं हेम शिखा उपविजेता रहीं, जबकि दिपाशा मंगी एवं काजल लहुआ को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।अतिथियों एवं ग्रामवासियों ने महिला खिलाड़ि?यों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके सर्वांगीण विकास के लिए मील का पत्थर साबित होते हैं।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक सफल एवं प्रेरणादायक बना दिया।

## डॉ. अंबेडकर के सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने के लिए जातिगत जनगणना अनिवार्यः एडवोकेट खोवाल

### बिना ओबीसी कोटे के महिला आरक्षण अधूरा, भाजपा सरकार कर रही संवैधानिक अधिकारों का हननः एडवोकेट खोवाल

### 'जिसकी जितनी संख्या भारी-उतनी हिस्सेदारी' के सिद्धांत पर तुरंत जातिगत जनगणना कराए केंद्रः एडवोकेट खोवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार।

**विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) ।** हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश में जातिगत जनगणना को ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कराना अब समय की मांग है। संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर के सिद्धांतों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के अनुच्छेद 340 के माध्यम से पिछड़ों और वंचितों के सशक्तिकरण का जो सपना देखा था वर्तमान सरकार डेटा छिपाकर उस पर चोट कर रही है। एडवोकेट खोवाल ने स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण के नाम पर देश को गुमराह किया जा रहा है क्योंकि जब तक इसमें दलितों और ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित नहीं होता तब तक यह बाबा साहेब के 'समानुपातिक प्रतिनिधित्व' के सिद्धांत के खिलाफ है।उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने हमेशा महिलाओं और पिछड़ों को सत्ता की मुख्यधारा में लाने की वकालत की थी लेकिन भाजपा इसे परिसीमन की आड़ में उलझाकर देरी कर रही है। यह अत्यंत चिंताजनक है कि सरकार जनगणना और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण जैसे महत्वपूर्ण कदमों से बचती रही है, जिससे पिछड़े वर्गों का वास्तविक डेटा सामने ही नहीं आ पा रहा। बिना सही आंकड़ों के न तो न्याय संभव है और न ही समानता। पिछड़े वर्गों की वास्तविक जनसंख्या और स्थिति का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराया जाए।सरकार को यह समझना होगा कि संविधान केवल कागज का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के करोड़ों वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की गारंटी है। यदि इन अधिकारों की अनदेखी की जाती है, तो यह सीधे-सीधे संविधान की अवमानना है।हम सरकार से मांग करते हैं कि वह राजनीतिक लाभ के बजाय संवैधानिक दायित्वों का पालन करे और अनुच्छेद 340 की भावना के अनुरूप ठोस कदम उठाए, ताकि देश में वास्तविक सामाजिक न्याय स्थापित हो सके।नेता विपक्ष राहुल गांधी और हरियाणा में कुमारी सैलजा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी यह मांग करती है कि जातिगत जनगणना तुरंत कराकर दलितों और ओबीसी वर्ग को उनकी वास्तविक जनसंख्या के अनुपात में संवैधानिक हक दिया जाए और महिला आरक्षण में ओबीसी कोटे को तुरंत शामिल किया जाए।

## रात्रि चौपाल बनी जनसुनवाई का असरदार मंच, घुमंतु परिवारों को मिला भूखण्ड का कब्जा

### बिरमी ग्राम पंचायत में प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, वर्षों पुरानी समस्या का मौके पर समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

ग्राम पंचायत बिरमी में गुरुवार को आयोजित जिला कलेक्टर की रात्रि चौपाल आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त मंच साबित हुई। चौपाल के दौरान चार घुमंतु सांसी परिवारों ने उपस्थित होकर उन्हें पूर्व में आवंटित पट्टों की भूमि का वास्तविक कब्जा दिलाने की मांग रखी। परिवारों ने बताया कि पट्टे जारी होने के बावजूद अब तक उन्हें भूमि का भौतिक सुपुर्दगी नहीं मिल पाई थी, जिससे वे लाभ से वंचित थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने मौके पर ही ग्राम पंचायत प्रशासन, विकास अधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि आवंटित भूमि का शीघ्र सीमांकन करवा कर

पात्र परिवारों को तत्काल कब्जा दिलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर के निर्देशों के बाद उपखंड अधिकारी और खंड विकास अधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए शुक्रवार को ही वीडीओ और पटवारी को मौके पर भेजा। सीमांकन की प्रक्रिया पूर्ण कर घुमंतु परिवारों को उनके भूखण्ड का भौतिक कब्जा सुपुर्द किया गया, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली।

भूमि प्राप्त करने वाले लाभार्थियों–शांति देवी, विजय सिंह, प्रभुदयाल एवं मोहर सिंह–ने खुशी जाहिर करते हुए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित इस कार्य के पूर्ण होने से अब उन्हें स्थायी आवास और बेहतर जीवनयापन की दिशा में नई उम्मीद मिली है। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव, उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी, खंड विकास अधिकारी अमित चौधरी, तहसीलदार शेर सिंह राठौड़ सहित अन्य जिला एवं ब्लॉक अधिकारी उपस्थित रहे। यह पूरा प्रकरण रात्रि चौपाल की प्रभावशीलता को दर्शाता है, जहां आमजन की समस्याओं को न केवल सुना जाता है बल्कि उनका त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जाता है। विशेष रूप से कमजोर एवं वंचित वर्गों के लिए यह पहल किसी वरदान से कम नहीं है।

## सुल्ताना में मुख्य सड़क मार्ग पर अतिक्रमण का मामला गरमाया, EO को 15 दिन में कार्रवाई के आदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.सुलताना।

नगरपालिका सुल्ताना के आबादी क्षेत्र में मुख्य सड़क मार्ग पर हो रहे अतिक्रमण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बिशु जी के गाटर, पट्टी नोहरे से सुल्ताना मुख्य सड़क, मोदी मार्केट, मुख्य बस स्टैंड, एसबीआई बैंक, बीओबी बैंक टेकड़ा, तिराहा व चनाना पदमपुरा रोड तक फैले इलाके में सड़क, गैर मुमकिन आबादी, मंदिर माफी व निजी खातेदारी भूमि पर अतिक्रमण होने की शिकायत जिला कलेक्टर को दी गई है। शिकायत में बताया गया कि खसरा संख्या 602 व 292 में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अधूरी छोड़ दी गई है और खसरा संख्या 292 के 11 अतिक्रमियों को अब तक मौके से बेदखल नहीं किया गया है। मामले में पूर्व में सुनवाई का अवसर देने के बाद तहसीलदार चिड़ावा द्वारा नगर पालिका सुल्ताना के अधिशासी अधिकारी (EO) को 15 दिन के भीतर कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए हैं, जिससे क्षेत्र में प्रशासनिक कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है।

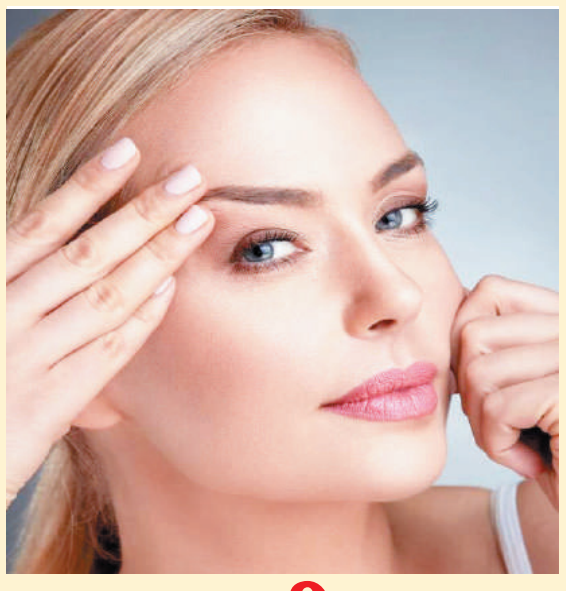

# लटकती त्वचा से पाएं निजात

कई महिलाओं को लगता है कि केवल पार्लर ट्रीटमेंट या महंगे प्रोडक्ट्स ही खूबसूरती निखारते हैं, लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। कई ऐसे पौधे मौजूद हैं जो स्किन के लिए किसी नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट से कम नहीं। अगर आप लटकी हुई त्वचा या डल फेस से परेशान हैं, तो एक आसान नुस्खा आपकी स्किन को फिर से टाइट और ग्लोइंग बना सकता है।

सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्किन का लटकना या ढीलापन सिर्फ उम्र के कारण नहीं होता। आजकल 25-30 साल की उम्र में भी लोग स्किन के लटकने की शिकायत करने लगे हैं। इसका कारण है लगातार स्क्रीन टाइम, नींद की कमी, केमिकल बेस्ड क्रीम्स और खराब खानपा।. जब स्किन के नीचे मौजूद कोलेजन कम होने लगता है, तो चेहरे पर कसावट भी घट जाती है। ऐसे में नेचुरल इंग्रीडिएंट्स से स्किन को अंदर से पोषण देना सबसे बेहतर तरीका है।

स्किन को कसने और ग्लो बढ़ाने के लिए सिर्फ तीन चीजों की जरूरत है। तुलसी की पत्तियां, चावल का आटा और मुल्तानी मिट्टी। ये तीनों चीजें मिलकर स्किन को नेचुरल टाइटनिंग देती हैं, साथ ही डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों को भी कम करती हैं।

तुलसी की पत्तियां ( सूखी और पाउडर के रूप में )
चावल का आटा
मुल्तानी मिट्टी
कैसे तैयार करें फेस पैक?

1. सबसे पहले तुलसी की ताजी पत्तियों को तोड़कर छांव में सुखा लें।
2. सूख जाने पर इन्हें पीसकर महीन पाउडर बना लें।
3. अब इसमें तुलसी पाउडर की मात्रा से 4 गुना ज्यादा चावल का आटा मिलाएं।
4. फिर इस मिक्स में 4 गुना मुल्तानी मिट्टी डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।
5. जब भी लगाना हो, इस पाउडर में कच्चा दूध या एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें।.
6. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।
7. समय पूरा होने पर सादे पानी से धो लें।

रोजाना या हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर फर्क आने लगेगा।

# रील्स से रियल लाइफ तक: मोबाइल की दुनिया में खोती खुशी !

## क्या सोशल मीडिया छीन रहा है युवाओं की मुस्कान?

मोबाइल हाथ में आते ही उंगलियां जैसे अपने आप स्क्रीन पर दौड़ने लगती हैं. एक रील खत्म होती है तो दूसरी सामने, फिर स्टोरी, फिर पोस्ट... और देखते-देखते कब एक-दो घंटे निकल जाते हैं, पता ही नहीं चलता. आज के युवाओं के लिए यह सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी है, लेकिन इसी आदत के पीछे एक ऐसा सच छिपा है, जो थोड़ा परेशान करने वाला है. हाल ही में आई एक ग्लोबल रिपोर्ट ने इशारा किया है कि ज्यादा सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वाले युवाओं की खुशी और संतुष्टि धीरे-धीरे कम हो रही है. खास बात यह है कि इसका असर सबसे ज्यादा किशोर लड़कियों में देखा गया है.

### सोशल मीडिया और खुशी का रिश्ता

आज के दौर में सोशल मीडिया सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह हमारी सोच, भावनाओं और आत्मविश्वास तक को प्रभावित करने लगा है. रिपोर्ट में साफ तौर पर सामने आया है कि जो किशोर ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनमें लाइफ सैटिस्फैक्शन कम देखने को मिलता है. यह जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया ही इसका सीधा कारण हो, लेकिन दोनों के बीच एक मजबूत कनेक्शन जरूर दिख रहा है. जिन युवाओं का स्क्रीन टाइम सीमित है, वे खुद को ज्यादा खुश और संतुष्ट महसूस करते हैं. वहीं, लंबे समय तक ऑनलाइन रहने वाले युवाओं में यह स्तर गिरता नजर आता है.

### किशोर लड़कियों पर ज्यादा असर क्यों?

रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यह है कि 15 साल की लड़कियों में यह असर सबसे ज्यादा देखा गया है. इसका एक बड़ा कारण है सोशल मीडिया पर दिखने वाला 'परफेक्ट लाइफ' का भ्रम. आज इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म पर हर कोई अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा हिस्सा दिखाता है. खूबसूरत तस्वीरें, शानदार लाइफस्टाइल, ट्रैवल, ब्रांडेड कपड़े. यह सब देखकर कई बार किशोर लड़कियां खुद की तुलना करने लगती हैं. यही तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कम कर देती है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

### आखिर युवा देख क्या रहे हैं?

यह सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितना समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आप वहां क्या देख रहे हैं, अगर कोई यूजर लगातार ऐसे कंटेंट देख रहा है जो दिखावे, ग्लैमर और 'परफेक्ट लाइफ' को बढ़ावा देता है, तो इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ सकता है. वहीं, अगर सोशल मीडिया का इस्तेमाल दोस्तों और परिवार से जुड़ने के लिए किया जाए, तो इसका असर पॉजिटिव भी हो सकता है. आजकल एल्गोरिदम ऐसे कंटेंट को आगे बढ़ाता है, जो ज्यादा एंगेजमेंट लाता है. इसका मतलब है कि यूजर्स को वही चीजें ज्यादा दिखती हैं, जो उन्हें लंबे समय तक स्क्रीन पर रोके रखें. चाहे वह कंटेंट उनके लिए अच्छा हो या नहीं.

### किन देशों में दिखा ज्यादा असर?

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे अंग्रेजी भाषी देशों में यह गिरावट ज्यादा देखने को मिली है. पिछले करीब एक दशक में इन देशों के युवाओं की लाइफ सैटिस्फैक्शन कम हुई है. इसके पीछे सिर्फ सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि सामाजिक सपोर्ट भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है. जिन युवाओं को परिवार और समाज से कम सपोर्ट मिलता है, वे ज्यादा असंतुष्ट महसूस करते हैं. दिलचस्प बात यह है कि बाकी दुनिया के कई हिस्सों में युवाओं की खुशी का स्तर बढ़ा है. इससे यह साफ होता है कि सिर्फ डिजिटल दुनिया ही नहीं, बल्कि असली दुनिया में मिलने वाला सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है.

### क्या सरकारें उठाने लगी हैं कदम?

इस बढ़ते असर को देखते हुए कई देशों ने बच्चों और किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर सख्ती पर विचार शुरू कर दिया है. ऑस्ट्रेलिया जैसे देश 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं. यह कदम इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि अब यह सिर्फ एंटरटेनमेंट का मामला नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा बन चुका है.

### असली समस्या: स्क्रीन टाइम या कंटेंट?

अगर ध्यान से देखें तो मामला सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं है. असली सवाल यह है कि हम डिजिटल दुनिया में क्या देख रहे हैं और उससे कितना प्रभावित हो रहे हैं. मान लीजिए, एक छात्र रोज घंटों मोटिवेशनल या एजुकेशनल कंटेंट देखता है, तो उसका असर अलग होगा. वहीं, अगर कोई लगातार दूसरों की 'परफेक्ट लाइफ' देखकर खुद को कमतर समझने लगे, तो यह उसकी खुशी को जरूर प्रभावित करेगा.

### क्या किया जा सकता है?

इसका हल पूरी तरह सोशल मीडिया छोड़ देना नहीं है, बल्कि इसे समझदारी से इस्तेमाल करना है. कुछ छोटे बदलाव बड़ा फर्क ला सकते हैं-जैसे स्क्रीन टाइम सीमित करना, अपने कंटेंट फीड को कंट्रोल करना और असली दुनिया में ज्यादा समय बिताना. परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत, आउटडोर एक्टिविटी और खुद के लिए समय निकालना-ये सब चीजें मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं. सोशल मीडिया आज की जरूरत बन चुका है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल धीरे-धीरे युवाओं की खुशी को प्रभावित कर रहा है. खासकर किशोर लड़कियों में इसका असर ज्यादा दिखना चिंता की बात है. ऐसे में जरूरी है कि हम डिजिटल दुनिया और असली जिंदगी के बीच सही संतुलन बनाना सीखें.

# रिपोर्ट कार्ड से नहीं खुलेगा राज ! पीटीएम में ये सवाल पूछेंगे तो ही समझ आएगी बच्चे की असली ग्रोथ

साल के आखिर में होने वाली पीटीएम यानी पेरेंट टीचर ?मीटिंग को अक्सर माता-पिता सिर्फ रिपोर्ट कार्ड देखने तक सीमित कर देते हैं. कुछ मिनट बैठकर नंबर पूछे, 'ठीक है' कहा और घर लौट आए, लेकिन सच कहें तो बच्चे की असली कहानी नंबरों से कहीं ज्यादा बड़ी होती है. उसकी क्लास में मौजूदगी कैसी है, वह दोस्तों के साथ कैसा व्यवहार करता है, छोटी-छोटी हार-जीत को कैसे संभालता है-ये सब बातें उसके भविष्य की नींव तय करती हैं. यही वजह है कि आखिरी पीटीएम सिर्फ एक फॉर्मेलिटी नहीं, बल्कि बच्चे को समझने का मौका होती है, अगर सही सवाल पूछे जाएं, तो आप बच्चे के इमोशनल, सोशल और बिहेवियरल ग्रोथ की असली तस्वीर जान सकते हैं. इस बार पीटीएम में जाएं तो सिर्फ मार्कशीट नहीं, ये 9 जरूरी सवाल जरूर साथ लेकर जाएं.

### कौन-कौन से सवाल जरूर पूछें?

1. क्या मेरा बच्चा क्लास में खुश और सहज रहता है?

यह सबसे बुनियादी सवाल है, लेकिन यहीं से सब शुरू होता है, अगर बच्चा क्लास में सहज नहीं है, तो पढ़ाई पर भी असर पड़ेगा. टीचर से जानिए कि वह स्कूल में खुद को कितना सुरक्षित और खुश महसूस करता है.

2. वह दूसरे बच्चों के साथ कैसे घुलता-मिलता है?

दोस्ती करना भी एक स्किल है. कुछ बच्चे जल्दी घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ को समय लगता है, अगर बच्चा अलग-थलग रहता है, तो इस पर ध्यान देने की जरूरत है.

सेहत, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें WhatsApp, आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

3. क्या वह ग्रुप में खेलता है या अकेले रहना पसंद करता है?

यह सवाल बच्चे की पर्सनालिटी को समझने में मदद करता है. हर बच्चा अलग होता है, लेकिन लगातार अकेलापन कभी-कभी चिंता का संकेत हो सकता है.

### पीटीएम में क्यों जरूरी हैं सही सवाल?

पीटीएम सिर्फ एक मीटिंग नहीं, बल्कि स्कूल और घर के बीच पुल की तरह होती है. यहां टीचर वो बातें बता सकते हैं जो बच्चा घर पर नहीं दिखाता. कई बार बच्चे क्लास में अलग व्यवहार करते हैं-कुछ ज्यादा चुप हो जाते हैं, तो कुछ ज्यादा एक्टिव. अगर आप सही सवाल नहीं पूछते, तो ये जरूरी बातें छूट जाती हैं. और फिर हम सोचते रह जाते हैं कि 'बच्चा बदल क्यों रहा है?'

### बच्चे की भावनाओं को समझना भी जरूरी

4. जब चीजें उसके मन मुताबिक नहीं होतीं, तो वह कैसे रिएक्ट करता है?

मान लीजिए बच्चा गेम हार गया या उसकी बारी देर से आई-क्या वह गुस्सा करता है या शांत रहता है? यह उसकी इमोशनल कंट्रोल क्षमता दिखाता है.

5. क्या वह क्लास एक्टिविटीज में हिस्सा लेता है?

क्या बच्चा हाथ उठाकर जवाब देता है या पीछे बैठकर चुप रहता है? इससे उसका आत्मविश्वास साफ झलकता है.

6. क्लास में उसके सबसे करीबी दोस्त कौन हैं?

यह जानना जरूरी है कि बच्चा किन बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताता है. उसका सर्कल उसके व्यवहार को काफी प्रभावित करता है.

समस्या सुलझाने की क्षमता भी देखें

7. अगर किसी से झगड़ा हो जाए, तो वह क्या करता है?

क्या बच्चा तुरंत शिकायत करता है, रोने लगता है या खुद बात करके सुलझाने की कोशिश करता है? यह उसकी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स का संकेत है.

8. क्या वह दूसरों की मदद करता है?

सहानुभूति एक बड़ी खूबी है, अगर बच्चा दूसरों की मदद करता है या उनके प्रति संवेदनशील है, तो यह उसके अच्छे व्यक्तित्व का संकेत है.

9. क्या जरूरत पड़ने पर वह मदद मांगता है?

कई बच्चे शर्म या डर के कारण मदद नहीं मांगते, अगर बच्चा खुलकर अपनी बात रखता है, तो यह उसके आत्मविश्वास को दिखाता है.

सिर्फ नंबर नहीं, पूरी तस्वीर देखें

आज के समय में सिर्फ अच्छे नंबर ही सफलता की गारंटी नहीं हैं. एक बच्चा जो भावनात्मक रूप से मजबूत है, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करता है और खुद को समझता है-वही आगे जाकर बेहतर इंसान बनता है.

पीटीएम में सही सवाल पूछकर आप अपने बच्चे को बेहतर समझ सकते हैं. यह न सिर्फ उसकी पढ़ाई, बल्कि उसकी पूरी जिंदगी को दिशा देने में मदद करेगा.

# वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोएं या सप्ताह में, इसका सही तरीका क्या हैं?

आज के समय में वॉशिंग मशीन हर घर की एक बेहद खास जरूरत बन चुकी है. लेकिन कई बार एक आम सवाल लोगों के मन में आता है, क्या वॉशिंग मशीन में रोज कपड़े धोना चाहिए या सप्ताह में 2 बार धोना बेहतर होता है? इसका सही जवाब आपकी जीवनशैली, कपड़ों की संख्या और मशीन के रख-रखाव पर निर्भर करती है. आइए इसके पीछे के कारणों को विस्तार से समझते हैं.

### रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के फायदे

रोज़ कपड़े धोने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कपड़े जमा नहीं होते. जिन परिवारों में बच्चे होते हैं या जिन लोगों को रोज़ ऑफिस जाना होता है, वहां रोज़ धुलाई से कपड़े साफ और ताजे रहते हैं.

इसके अलावा, रोज़ धोने पर कपड़ों पर दाग जमने का खतरा कम रहता है, जिससे कम डिटर्जेंट और कम मेहनत में कपड़े साफ हो जाते हैं. हल्का लोड होने से मशीन पर ज़्यादा ज़ोर नहीं पड़ता और वॉश क्वालिटी भी बेहतर रहती है.

### रोज़ धोने के नुकसान

हालांकि रोज़ वॉशिंग मशीन चलाने के कुछ नुकसान भी हैं. सबसे पहला नुकसान है बिजली और पानी की खपत. रोज़ मशीन चलाने से बिजली का बिल और पानी की खपत बढ़ सकती है.

इसके अलावा, कम कपड़ों के साथ मशीन चलाने से ड्रम और मोटर का सही उपयोग नहीं हो पाता, जिससे लंबे समय में मशीन की कार्यक्षमता पर असर पड़ सकता है. कुछ कपड़े बार-बार धोने से जल्दी पुराने भी दिखने लगते हैं.

### सप्ताह में 2 बार मशीन में कपड़े धोने के फायदे

सप्ताह में 2 बार कपड़े धोना कई मामलों में ज्यादा व्यावहारिक और सही माना जाता है. इस तरीके से मशीन को फुल या ऑप्टिमल लोड मिलता है, जिससे पानी और बिजली दोनों की बचत होती है. एक साथ ज्यादा कपड़े धोने से समय की भी बचत होती है और मशीन का उपयोग संतुलित रहता है. साथ ही, यह तरीका पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर माना जाता है.

# निजामपुर: विद्या भारती पब्लिक स्कूल का 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, 33 विद्यार्थियों ने बनाई मेरिट में जगह

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर का कक्षा 10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल है। विद्यालय के कुल 66 विद्यार्थियों में से 33 विद्यार्थियों ने मेरिट में स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वहीं 9 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। उत्कृष्ट परिणाम के उपलक्ष्य में विद्यालय प्रांगण में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव एवं वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को साफा एवं फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य अजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि छात्रा दीपिका (पुत्री मनोज, निवासी निजामपुर) ने हिंदी में 99 प्रतिशत, अंग्रेजी में 97 प्रतिशत एवं विज्ञान में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च प्रदर्शन किया। इसके अलावा पायल (पुत्री संदीप, ढाणी पटवारी बायल) ने गणित में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए तथा सच्ची कुमार (पुत्री कुलदीप सिंह, डाबला) ने सामाजिक विज्ञान में 99 प्रतिशत अंक हासिल कर विशेष उपलब्धि दर्ज की। इस अवसर पर वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह शानदार परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक परिश्रम कर उच्च उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविंद्र यादव, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी, उप-प्राचार्य प्रवीण कुमार शर्मा, कोऑर्डिनेटर रितु शर्मा, करियर काउंसलर आर.डी. सक्सेना, धर्मवीर जी, भावेश गोयल सहित समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहें। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि को सामूहिक प्रयास का परिणाम बताते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट परिणाम देने का संकल्प व्यक्त किया।

# ईमानदारी की मिसाल: लोटिया के प्रदीप सिंह ने लौटाया गुम हुआ पर्स

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

लोटिया निवासी प्रदीप सिंह ने ईमानदारी का परिचय देते हुए डुलानिया निवासी रवि कुमार का गुम हुआ पर्स सही सलामत वापस लौटाकर मिसाल पेश की। जानकारी के अनुसार रवि कुमार का पर्स रास्ते में गिर गया था, जिसमें जरूरी कागजात व नगद राशि मौजूद थी। यह पर्स प्रदीप सिंह को मिला, जिन्होंने तुरंत जीवन ज्योति रक्षा समिति के सदस्यों से संपर्क कर पर्स उसके मालिक तक पहुंचाने का प्रयास किया। समिति के सहयोग से रवि कुमार से संपर्क किया गया और पर्स उन्हें सुरक्षित सौंप दिया गया। इस नेक कार्य के लिए जीवन ज्योति रक्षा समिति परिवार ने प्रदीप सिंह का आभार जताया। वहीं रवि कुमार ने भी प्रदीप सिंह व समिति का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी ईमानदारी ने उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी से बचा लिया।

# सीएसआईआर-सीरी, जयपुर में एडवांस्ड इंडस्ट्रियल आईओटी कार्यक्रम का समापन

## शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी), जयपुर परिसर में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम के सीएसआर सहयोग से आयोजित एक माह के एडवांस्ड इंडस्ट्रियल आईओटी कौशल विकास कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उद्योगों एवं शैक्षणिक संस?थानों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने के उद्देश?य से सीएसआईआर-सीरी ने पूर्णिमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, एमिटी विश्वविद्यालय तथा एपेक्स विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। इनके माध?यम से सीरी एवं इन शैक्षणिक संस?थानों के बीच संयुक्त प्रशिक्षण, अनुसंधान, इंटर्नशिप एवं ज्ञान विनिमय को बढ़ावा दिया जाएगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अरविंद कौल, निदेशक, एनरट्रैक इंस्ट्रूमेंट्स प्रा. लि. थे। उन्होंने अपने औद्योगिक अनुभव साझा करते हुए व्यावहारिक कौशल, अनुकूलन क्षमता एवं सतत सीखने के महत्व पर बल दिया। आईओटी कौशल विकास कार्यक्रम के संबंध में अपने संबोधन में डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम उभरती प्रौद्योगिकियों में दक्ष, उद्योग के लिए तैयार मानव संसाधन के निर्माण में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संस्थान युवाओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण, आधुनिक अवसंरचना एवं औद्योगिक सहयोग के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह डॉ. पी. सी. पंचारिया एवं अरविंद कौल की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. अमित जैन (अध्यक्ष एवं कुलपति, एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर), डॉ. महेश बुंदेला (निदेशक, पूर्णिमा इंजीनियरिंग कॉलेज, जयपुर), पंकज शर्मा (रजिस्ट्रार, अपेक?स यूनिवर्सिटी) सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। एमिटी विश?वविद्यालय के डॉ. अमित जैन, पूर्णिमा डॉ. महेश बुंदेला,पंकज शर्मा तथा डॉ. पायल बंसल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सहयोग से विद्यार्थियों को उन्नत प्रयोगशालाओं तक पहुँच, औद्योगिक अनुभव एवं विशेष प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे उनके करियर अवसरों में वृद्धि होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर, पीसीबी डिजाइन, एम्बेडेड प्रणाली, इंडस्ट्रियल आईओटी तथा एंड्रॉयड एप्लिकेशन डेवलपमेन?ट का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही उन्हें अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों से भी परिचित कराया गया। कार्यक्रम की विशेषता प्रतिभागियों द्वारा एम्बेडेड प्रणाली आधारित परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन रहा, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता एवं रोजगार क्षमता में वृद्धि हुई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय चटर्जी एवं सीरी जयपुर परिसर के प्रभारी वैज्ञानिक साई कृष?ण वड्डादि द्वारा किया गया। समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

# जांगिड़ समाज के मेधावी सितारों और विशिष्ट विभूतियों का हुआ भव्य सम्मान

## विधायक विक्रम सिंह जाखल ने समाज की दक्षता को सराहा; बेटियों की सफलता पर गर्व जताया

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

**कमल किशोर पंवार ।** महर्षि अंगिरा सेवा समिति के तत्वावधान में महावीर प्रसाद एवं संतकुमार जांगिड़ के सौजन्य से जांगिड़ समाज का विशिष्ट व्यक्तित्व व छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक विक्रम सिंह जाखल ने कहा कि जांगिड़ समाज चिकित्सा, शिक्षा और समाज सेवा में सदैव अग्रणी रहता है। भगवान विश्वकर्मा के वंशज हर कार्य में दक्ष हैं।विशिष्ट अतिथि और राजस्थान महासभा के पूर्व अध्यक्ष संजय हर्षवाल ने राज्य में अव्वल रहने वाली बेटियों की प्रशंसा करते हुए प्रत्येक को 5100 रुपये देने की घोषणा की। समारोह में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दयाशंकर जांगिड़ को 'लाइफ टाइम अचीवमेंट धन्वंतरी पुरस्कार' से नवाजा गया। अतिथियों का 50 किलो की पुष्पमाला व प्रतीक चिन्हों से भव्य स्वागत हुआ।राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त निकिता जांगिड़ (99.80'), जिला टॉपर गरिमा जांगिड़ (99.20'), गोल्ड मेडलिस्ट पूजा जांगिड़, श्रुति और भूमिका जांगिड़ को सम्मानित किया गया। साथ ही चिकित्सा क्षेत्र से डॉ. मनीष, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. विनोद सहित शिक्षा, कला और पत्रकारिता जगत की सैकड़ों विभूतियों का सम्मान हुआ।संस्था अध्यक्ष इंजीनियर भंवर लाल जांगिड़ ने स्वागत भाषण दिया और संचालन डॉ. दिनेश व सुरेश जांगिड़ ने किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ, जिसमें समाज के सैकड़ों प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

# टोंक छिलरी प्रिंसिपल संजू नेहरा का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के टोंक छिलरी गांव स्थित स्कूल की प्रिंसिपल और पीईईओ संजू नेहरा का ग्राम पंचायत में सम्मान किया गया। दरअसल पंचायत क्षेत्र के उन अधिकारियों और कार्मिकों का सम्मान ग्राम पंचायत भवन में किया गया। जिन्होंने अपने दायित्वों का ईमानदारी से और पूरी मेहनत के साथ निर्वहन किया है। इसी क्रम में प्रिंसिपल संजू नेहरा का सम्मान किया गया। उप सरपंच किशनलाल गुर्जर ने बताया कि संजू नेहरा का यह सम्मान उनके और उनके स्टाफ द्वारा गत सत्र में विद्यालय में किए गए शैक्षिक-सहशैक्षिक नवाचारों व उपलब्धियों को लेकर किया गया। इस मौके पर संजू नेहरा को साफा पहनाया गया और मुंह मीठा करवाते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी पूर्ण सिंह शेखावत ने इस अवसर पर कहा कि संजू नेहरा के नेतृत्व में पूरे स्टाफ ने स्कूल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ना केवल परीक्षा परिणाम, बल्कि विभिन्न सह शैक्षणिक गतिविधियों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि संजू नेहरा के स्कूल में कार्यभार संभालने के बाद स्कूल के विकास में भामाशाहों को भी प्रोत्साहित कर सहयोग लिया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य भागीरथसिंह गुर्जर, व्याख्याता मुकेश कुमार शर्मा, प्रहलाद सिंह डूडी, बाबूलाल सैनी, वर्षा कुमारी व ग्राम विकास अधिकारी रिछपाल पूनियां का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि वार्ड पंच रक्षपाल सिंह शेखावत, रामकुमार नेचू, टीकमसिंह, ताराचंद मूंड, मंजूदेवी, रामलाल सैनी, महेंद्र मूंड आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे।

# नीमराना में आंगनबाड़ी केंद्र पर अभिभावक बैठक का आयोजन, 3-6 साल के बच्चों के संपूर्ण विकास पर हुई चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

**रमेशचंद ।** महिला एवं बाल विकास विभाग, नीमराना की ओर से गुरुवार को नीमराना थर्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 3 से 6 साल के बच्चों के संपूर्ण विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन महिला पर्यवेक्षक संतोष यादव के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निर्मला शर्मा ने बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अभिभावकों से चर्चा की। उन्होंने बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और स्वच्छता की आदतों पर विशेष जोर दिया। बैठक में बच्चों के 20 अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों की परवरिश और शिक्षा से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और विभाग द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। महिला पर्यवेक्षक संतोष यादव ने बताया कि प्रत्येक अमावस्या को आंगनबाड़ी केंद्रों पर अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाता है। हर बार बैठक में एक अलग थीम रखी जाती है और उसी विषय पर अभिभावकों के साथ संवाद किया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

# श्रेष्ठ बोर्ड परीक्षा परिणाम की खुशी विद्यार्थियों के घर जाकर साझा की स्कूल के प्रतिनिधि मंडल ने

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सीबीएसई कक्षा 10 के हाल ही में घोषित परिणामों में बगड़िया बाल विद्या निकेतन के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर निकेतन सचिव पवन गोयनका व प्राचार्य विपिन शर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों का एक दल सफल विद्यार्थियों के घर पहुँचा, जहाँ मिठाई वितरित कर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का माल्यार्पण कर स्वागत-सत्कार किया गया।तहसील स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त कर कृतिका जाजोदिया सुपुत्री चंद्रकांत जाजोदिया ने 97.40 प्रतिशत अंक हासिल कर नया इतिहास रचा। इसके अतिरिक्त चित्रा सुरेका सुपुत्री उमेश कुमार सुरेका, बलारां ने 94.20 प्रतिशत, दृष्टि चिराणिया सुपुत्री संदीप चिराणिया ने 91.80 प्रतिशत, कोमल सुपुत्री श्रीपाल सिंह ने 91.20 प्रतिशत तथा सुमित चौधरी सुपुत्र भागीरथ मल फगेड़िया ने 90.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।उल्लेखनीय है कि इस वर्ष भी विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा, जिसमें लगभग 36 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 84 प्रतिशत विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।

# नीमराना में भाजपा महिला मोर्चा ने किया 'नारी शक्ति वंदन हस्ताक्षर अभियान' का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

**रमेशचंद ।** नारी शक्ति के सम्मान एवं सशक्तिकरण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को नीमराना स्थित भाजपा कार्यालय में 'नारी शक्ति वंदन हस्ताक्षर अभियान' का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अंजली यादव के नेतृत्व में हस्ताक्षर कर की गई। प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अंजली यादव ने बताया कि यह अभियान नारी शक्ति के अधिकारों, सम्मान एवं भागीदारी को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो उन्हें राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बनाएगा। जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान हेतु निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे देश की मातृशक्ति को नई ऊर्जा एवं अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इस दौरान पूजनीय शीतल नाथ महाराज का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में जिला प्रमुख जयपुर रमा चौपड़ा, जिला अध्यक्ष अलवर उत्तर महासिंह चौधरी, सह प्रभारी अलवर उत्तर गौरव यादव, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, पूर्व प्रथम भाजपा जिला अध्यक्ष अलवर बलवान सिंह यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया, जिला अध्यक्ष अलवर दक्षिण अशोक गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष शिवचरण यादव, जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र यादव, जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह चौहान, सोशल मीडिया जिला प्रभारी विशेषर चौधरी, मंडल अध्यक्ष नीमराना राकेश खण्डेलवाल, महिपाल तंवर, मनीष यादव सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला पदाधिकारीगण की भी सक्रिय भागीदारी रही। प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा डॉ. शानू यादव, पूर्व प्रधान नीमराना सविता यादव, जिला उपाध्यक्ष अलवर उत्तर चित्रा शर्मा, जिला मंत्री एडवोकेट कंचन तिवारी, जिला मंत्री हेमलता, जिला मंत्री नीलम त्रिपाठी, संयोगिता, डॉ. दीपिका, सीमा सैनी (विराट नगर), हेमलता सिसोदिया सहित अन्य महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।सभी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं के लिए ऐतिहासिक बताते हुए हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

# स्वच्छता सुदृढ़ीकरण पर के.के. गुप्ता की बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

**पवन कुमार शर्मा ।** फलौदी में स्वच्छ भारत मिशन के प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने नगरपरिषद सभागार में अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाईकर्मियों के साथ बैठक कर स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र पर चलते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में जनकल्याण योजनाओं के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचा रहे हैं।गुप्ता ने स्वच्छ भारत मिशन को जनभागीदारी से जुड़ा अभियान बताते हुए इसे प्रभावी रूप से लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने निकायों को कार्य के आधार पर चार श्रेणियों में बांटने की जानकारी दी तथा लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए। बैठक में घर-घर कचरा संग्रहण, नाइट स्वीपिंग, सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई, प्लास्टिक पर रोक और खाली प्लॉट्स की सफाई जैसे पांच प्रमुख बिंदुओं पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्ट्रीट लाइट, पार्कों की सफाई, अतिक्रमण और कचरा प्रबंधन पर भी ध्यान देने को कहा। जिले के दोनों निकायों के लिए स्वच्छता प्रभारियों की नियुक्ति भी की गई, जो व्यवस्थाओं की निगरानी कर अनियमितताओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

# संस्था प्रधान रामावतार फगेड़िया के प्रेरणा से विद्यालय को 2 बैट्री व 1 इन्वेंटर किया भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, कुमास जाटान को कैनरा बैंक लक्ष्मणगढ़ द्वारा सीएसआर राशि 50 हजार की लागत का 2 बैट्री व एक इनवेंटर सामान डॉ. महावीर सिंह बलौदा शाखा प्रबंधक द्वारा भेंट किया । इस अवसर पर संस्था प्रधान रामावतार फगेड़िया ने शाखा प्रबंधक को माला व साफा पहनाकर स्वागत किया तथा अमित शर्मा वेल्थ मैनेजर का स्वागत शिक्षक धर्मपाल, एसएमसी अध्यक्ष सत्यनारायण, कुरड़ाराम व प्रवीण कुमार पोस्टमेन आदि ने माला पहनाकर किया। आयोजित कार्यक्रम में संस्था प्रधान द्वारा विद्यालय के बच्चों के लिए पीने के पानी के लिए वाटर कूलर की मांग की जिस पर बैंक शाखा प्रबंधक द्वारा इस मांग को भी जल्दी ही पूरा करने का आश्वासन दिया । इस अवसर पर प्रियंका निर्मला विद्यालय स्टाफ तथा निमकला देवी कार्यकर्ता , सुभीता, भंवरी एएनएम, परमेश्वरी,भंवरी देवी, कमलेश व विधार्थी उपस्थित रहें।

# सिलेंडर में देरी तो बर्दाश्त नहीं–कलेक्टर की सख्ती, गैस एजेंसियों को 'समय पर डिलीवरी' का अल्टीमेटम

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

**मनोज खंडेलवाल** । आमजन की रसोई से जुड़ी सबसे जरूरी सुविधा पर अब प्रशासन ने सीधे निगरानी का शिकंजा कस दिया है। जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने शुक्रवार को लालसोट रोड स्थित अमित गैस एजेंसी पर औचक पहुंचकर एलपीजी वितरण व्यवस्था की हकीकत परखी तो स्पष्ट संकेत दे दिया कि अब लापरवाही या ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी। निरीक्षण के दौरान गोदाम में उपलब्ध सिलेंडरों के स्टॉक, उनके रख-रखाव, वितरण की प्रक्रिया और उपभोक्ताओं तक होम डिलीवरी की पूरी श्रृंखला को बारीकी से खंगाला गया, जिससे व्यवस्था की जमीनी स्थिति सामने आई। मौके पर मौजूद अधिकारियों से कलेक्टर ने बुकिंग से लेकर उपभोक्ता के दरवाजे तक सिलेंडर पहुंचने की पूरी प्रक्रिया की परत-दर-परत जानकारी ली और दो टूक निर्देश दिए कि किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक देरी या परेशानी का सामना नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गैस एजेंसियां पारदर्शिता और निर्धारित नियमों के तहत ही कार्य करें, क्योंकि यह सेवा सीधे आमजन की रोजमर्रा की जरूरत से जुड़ी है, जहां एक दिन की देरी भी बड़ी परेशानी बन जाती है। जिला रसद अधिकारी कौशल किशोर गुप्ता को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं को सिलेंडर डिलीवरी का मैसेज प्राप्त हो चुका है, उन्हें तय समयसीमा में हर हाल में सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही डिलीवरी से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत निस्तारित करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि शिकायतों का अंबार न लगे और भरोसा कायम रहें। निरीक्षण के दौरान यह भी साफ कर दिया गया कि गैस वितरण व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग अब अनिवार्य होगी और कहीं भी अनियमितता या नियमों की अनदेखी पाई गई तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय मानी जाए। प्रशासन का रुख साफ है कि आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और जिम्मेदारों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

# जल जीवन मिशन के तहत 9 से 23 अप्रैल तक जिलेभर में मनाया जा रहा है पोषण पखवाड़ा

## अच्छा स्वास्थ्य पोष्टीक भोजन व स्वच्छ पेयजल से ही संभवः मंगतु राम सरसवा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी केंद्रों, शिक्षा विभाग के स्कूलों तथा पंचायत विभाग की पंचायती राज संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर जिले भर में जल जीवन मिशन के तहत पोषण पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि विभाग द्वारा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक इस पखवाड़े को पोषण पखवाड़े के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों पर सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाओं की उपलब्धता का प्रदर्शन किया जा रहा है तथा स्वच्छ पेयजल, व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे हाथों की सफाई और नियमित रूप से शौचालयों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके लिए अभिभावकों, बच्चों एवं समुदाय के लोगों को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की टीमें प्रत्येक खंड में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की बैठक, जल चौपाल, आंगनबाड़ी केंद्रों में बैठक तथा स्कूल गतिविधियां जैसे रैली आदि के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता, साफ-सफाई, स्वच्छता एवं शौचालय उपयोग के प्रति जागरूक कर रही हैं। इसके अलावा नई पेयजल एवं संचालन नीति 2026 के तहत पंचायतों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि दिनांक 10 अप्रैल से विभिन्न ग्राम पंचायतों में गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कनीना खंड के अगियार, नांगल चौधरी के गोठड़ी, नारनौल के हाजिपुर, सतनाली के ढाढोत तथा सिहमा के सुरानी ग्राम पंचायत में कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं शुक्रवार को कनीना के मोड़ी, महेन्द्रगढ़ के नांगल सिरोही, नांगल चौधरी के मेघोत बिंजा, नारनौल के नांगतिहाड़ी, निजामपुर के गोलवा, सतनाली के डिगरोता तथा सिहमा के दुलोठ जाट गांव में पोषण पखवाड़ा के तहत गतिविधियां आयोजित कर बच्चों, महिलाओं, अभिभावकों एवं ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा। इसकी बर्बादी को रोकना और इसे दूषित होने से बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। साथ ही दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाना भी जरूरी है। हमें नियमित रूप से स्नान करना, शौचालय का उपयोग करना तथा शौच के बाद और भोजन बनाने या खाने से पहले साबुन से हाथ धोना चाहिए। इस अवसर पर बीआरसी मोहित कुमार, बीआरसी इंद्रजीत, बीआरसी पूजा रानी, बीआरसी धर्मेंद्र तथा बीआरसी निशु भी उपस्थित रहे।

# डॉ. पूजा चौधरी ने भारतीय रियल एस्टेट विषय पर शोध करके हासिल की पीएचडी की उपाधि

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

**पवन कुमार शर्मा** । जिला झुंझुनूं में मंडावा तहसील के गांव भोजासर की बेटी एवं बिरोल (हाल भगत सिंह कॉलोनी नवलगढ़) निवासी विजेंद्र सिंह चौधरी की पुत्रवधु पूजा चौधरी ने सिम्बायोसिस अन्तराष्ट्रीय विश्वविद्यालय पुणे से पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अब वे डॉक्टर पूजा चौधरी के रूप में जानी जाएंगी। डॉ. पूजा चौधरी ने बताया कि पोद्दार कॉलेज नवलगढ़ से बीबीए, राजस्थान विश्वविद्याल जयपुर से एमबीए के पश्चात यूजीसी-नेट जेआरएफ से लेकर पीएचडी तक का पूरा शैक्षणिक सफर कड़ी मेहनत, समर्पण और धैर्य के साथ सफलतापूर्वक तय किया है।

### रियल एस्टेट पर किया शोध कार्यः

डॉ. पूजा चौधरी का शोध का विषय 'उच्च प्रदर्शन कार्य प्रणालियाँ, कार्य की तीव्रता एवं कर्मचारी प्रसन्नता का लेकर भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में एक अनुभवजन्य अध्ययन 'रहा। यह शोध भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में अपनाई जाने वाली कार्य प्रणालियों, कर्मचारियों पर बढ़ते कार्य दबाव तथा उनकी प्रसन्नता एवं संतुष्टि के बीच संबंधों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह शोध न केवल शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योग जगत के लिए भी उपयोगी निष्कर्ष प्रदान करता है।

### 20 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित :-

डॉ. चौधरी वर्तमान में सिम्बायोसिस अन्तराष्ट्रीय विश्वविद्यालय पुणे में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। साथ ही, 20 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित कर चुकी हैं, जो उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य एवं शोध के प्रति समर्पण को दर्शाते हैं।

### परिवारजनों को दिया सफलता का श्रेयः -

डॉ. पूजा चौधरी ने परिवार जनों सहित सास कमला, माता प्रमिला -पिता महिपाल मील पत्रकार एवं पति विष्णु चौधरी को अपनी इस सफलता का श्रेय दिया है। सभी परिवारजनों के निरंतर सहयोग, प्रोत्साहन और विश्वास ने सफर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना है कि परिवार के समर्थन और प्रेरणा के बिना इस मुकाम तक पहुंचना संभव नहीं था। महाराष्ट्र, बेंगलुरु, हैदराबाद एवं पुणे में रियल एस्टेट व्यवसाय में सक्रिय रूप से कार्यरत उनके पति विष्णु शंकर चौधरी का विशेष योगदान रहा। भारतीय रियल एस्टेट विषय अब बहुत कम शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं।

# काटली नदी के जल स्रोतों की रक्षा व सीमांकन की माँग

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

**सुमेर मीणा** । राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण द्वारा 7 अप्रैल को पारित आदेश की पालना व किर्यान्वयन के लिए उदयपुरवाटी उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार उदयपुरवाटी को मांगपत्र दिया गया । सरस्वती रूरल एन्ड अरबन डवलपमेंट सोसायटी की ओर से संचालित काटली नदी बचाओ जन अभियान की ओर से प्रस्तुत ज्ञापन में काटली नदी व इसकी सहायक नदी नालों व जल स्रोतों की रक्षा व सीमांकन की मांग की गई । अभियान के उदयपुरवाटी सयोंजक दीपक मीणा बाघोली के अनुसार काटली नदी के सहायक जल स्रोतों, नदी व नाला आदि को सीमांकित कर अतिक्रमण मुक्त करवाने व इनमें जल निकासी मार्ग को ठीक करवाने हेतु अभियान सयोंजक सुभाष कश्यप के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया है । उदयपुरवाटी खण्ड में सुकली नदी जहाज मावता, मोजिडा नाला, सांका वाला नाला,जोधपुरा नाला, सोकली नदी सराय, सटिण्डा नाला इत्यादि सहित सभी जल स्रोतों की रक्षा की मांग करते हुए एनजीटी के आदेश की पालना करने का आग्रह किया । सतीश मिश्रा छापोली, धर्मवीर यादव मंडावरा, दीपक मीणा बाघोली,करण तेतरवाल पापड़ा, धन सिंह कश्यप कीरपुरा, मोहर सिंह ककराना, वकील हरलाल सैनी, एडवोकेट रविन्द्र सिंह, एडवोकेट आंनद सिंह, एडवोकेट मेघराज सैनी एडवोकेट प्रवीण सैनी, एडवोकेट श्रवण कुमार,एडवोकेट रणवीर सिंह, एडवोकेट विकास भाकर, एडवोकेट रामनिवास, एडवोकेट रामजीवन गुप्ता, बनवारी कुमावत धोलाखेड़ा, एडवोकेट रामनिवास, एडवोकेट श्रवण सैनी, मदन खैरवा धोलाखेड़ा, एडवोकेट प्रभुदयाल,एडवोकेट बृज मोहन सैनी सहित बड़ी संख्या में काटली समर्थक व बुद्धिजीवियों ने हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री के नाम से उपखण्ड अधिकारी व तहसीलदार उदयपुरवाटी को मांग पत्र प्रस्तुत किया इसके साथ साथ दोनों अधिकारियों को उनके नाम से दिए गए ज्ञापन में उदयपुरवाटी खण्ड में काटली नदी के सभी सहायक जल सोतों की रक्षा करने हेतु क्षेत्र के सभी पटवारियों को निर्देशित कर इनकी वर्तमान स्थिति व कब्जों की रिपोर्ट मंगवा कर कार्यवाही की मांग की !

ज्ञापन में सिंधु जल को काटली नदी में लाने व काटली के समग्र विकास, पुनर्जीवन, संरक्षण व प्रभावित व्यक्तियों के लिए पुनर्वास की माँग की गई । काटली नदी बचाओ अभियान सयोंजक सुभाष कश्यप ने बताया कि सिंधु जल को काटली में लाने के लिए शीघ्र ही प्रधानमंत्री नरेंद्र से भेंट कर काटली को पुनर्जीवित करने की मांग की जाएगी।

## शैलेन्द्र नाथ महाराज को डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी मानद उपाधि से अलंकृत

### झुंझुनू में एस एस मोदी स्कूल में हुआ समारोह हुआ

भीम प्रज्ञा न्यूज.

**सुमेर मीणा / झुंझुनू।** शैलेन्द्र नाथ महाराज अघोरी बाबा कामख्या पीठ को डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी मानद उपाधि से अलंकृत किए जाने पर झुंझुनूं शहर मुख्याल पर एस एस मोदी पर आयोजित ऐतिहासिक भव्य कार्यक्रम में उपस्थित हुआ। पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज, डॉ यशदेव शास्त्री पतंजलि योग पीठ , डॉ अनिल राव कुलपति पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर, भजन सम्राट गौ सेवक प्रकाश दास महाराज, विधायक राजेंद्र भामु, सहित शहर के प्रमुख नामचीन हस्तियां मौजूद थी।। भव्य कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। विश्व हिंदू परिषद के सभी पदाधिकारियों एवं आयोजन कमेटी के सदस्यों का धन्यवाद किया।

# थली में शहीद दलीप सिंह कसाणा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।।

ग्राम पंचायत थली में शुक्रवार को दलीप सिंह कसाणा की चतुर्थ पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ग्रामीणों व युवाओं ने एकत्र होकर शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।ज्ञात रहें कि दलीप सिंह कसाणा 17 अप्रैल 2022 को राजस्थान पुलिस में सेवा के दौरान वीरगति को प्राप्त हो गए थे। उनकी बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा को आज भी क्षेत्र के लोग गर्व के साथ याद करते हैं। कार्यक्रम के दौरान उनके पुत्र नीरज ने पुष्प अर्पित कर अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उनके छोटे भाई विनोद कसाणा व संदीप कसाणा भी उपस्थित रहे। महक सिंह ने बताया कि दलीप सिंह कसाणा स्वभाव से अत्यंत मिलनसार और कर्तव्यपरायण व्यक्ति थे। उन्होंने अपने सेवा काल में उत्कृष्ट कार्य करते हुए देश व समाज के प्रति समर्पण का परिचय दिया। उनकी शहादत क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। पुण्यतिथि पर उपस्थित युवाओं ने उनके आदर्शों को अपनाने और समाज सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में महक सिंह, सुरेश कुमार, श्रवण सिंह, रतनलाल, वेदप्रकाश सिराधना, आर्यन, हर्षित, योगेश सिराधना, विक्की कुमावत, सचिन सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहें। कार्यक्रम का समापन शहीद के प्रति दो मिनट का मौन रखकर किया गया।

# जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की पाठ्य पुस्तक

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

**सुमेर मीणा** । श्रीमाधोपुर शहर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 2 में शुक्रवार को जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई ।समाज सेवक दोस्त फाउंडेशन की ओर से यह पाठ्य सामग्री वितरित की गई । फाउंडेशन के सदस्य विमल पबडी ने बताया कि निशुल्क शिक्षण सामग्री अभियान के तहत 8 बच्चों को स्कूली बैग समेत अभियान के तहत बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस अभियान140 सरकारी स्कूलों के 1600 गरीब बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की जा रही है यह अभियान हर साल नए सत्र की शुरुआत में चलाया जाता है ।शिक्षण सामग्री में बैग कोपिया ज्योमेट्री बॉक्स एवं पेन पेंसिल के पैकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाध्यापक हंसराज वर्मा ने फाउंडेशन के सदस्यों का स्वागत किया । इस अवसर पर पूरणमल वर्मा सोहनलाल कुमावत महेंद्र कुमार शर्मा आरती कुमावत सुरता चौधरी अविनाश बराला श्रीराम शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

## जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता: डीसी अनुपमा अंजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

नवनियुक्त उपायुक्त अनुपमा अंजलि (आईएएस) ने पदभार संभालते ही जनहित के कार्यों को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं। शुक्रवार को लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ आयोजित अपनी पहली बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निदान करना उनकी कार्यशैली का मुख्य हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा लगाए जा रहे समाधान शिविर उनकी विशेष प्राथमिकता में शामिल हैं और इन शिविरों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए वह स्वयं समय-समय पर समीक्षा बैठकें लेती रहेंगी। बैठक के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविरों में पहुंचने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या का जल्द से जल्द निपटान भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की यह पहल आम जनता के लिए एक बेहतरीन मंच है, जहां लोग बिना किसी परेशानी के अपनी बात प्रशासन के सामने रख सकते हैं। उपायुक्त ने अधिकारियों से टीम भावना के साथ काम करने का आह्वान किया ताकि सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुंच सके। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया, डीएमसी रणबीर सिंह और नगराधीश डॉ. मंगल सेन सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद रहें।

**डीसी ने पहली बैठक में अधिकारियों को बताई प्राथमिकता**

# आईएएस अनुपमा अंजलि ने महेंद्रगढ़ के नए उपायुक्त के तौर पर संभाला कार्यभार

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

वर्ष 2018 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अनुपमा अंजलि ने शुक्रवार को महेंद्रगढ़ जिले के नए उपायुक्त (डीसी) के तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया है। लघु सचिवालय पहुंचने पर कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक परिचय बैठक की और प्रशासनिक कार्यों की जानकारी ली। इससे पहले अनुपमा अंजलि फरीदाबाद में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की एडमिनिस्ट्रेटर और अर्बन एस्टेट की एडिशनल डायरेक्टर के पद पर तैनात थीं। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक समय पर और पारदर्शिता के साथ पहुंचना चाहिए। उन्होंने सभी को टीम वर्क के साथ काम करने और जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।

## रोजगार मेले में 24 प्रार्थियों को मौके पर ही दिया चयन पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला रोजगार कार्यालय में आज रोजगार मेला का आयोजन किया। रोजगार मेले में कुल 138 प्रार्थियों ने अपना पंजीकरण करवाया जिनमें से 24 प्रार्थियों को मौके पर ही चयन पत्र दिया गया। जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह रावत ने बताया कि मेले में भाग लेने वाले सभी नियोजकों का स्वागत किया। रोजगार मेले में आए हुए प्रार्थियों की प्री-काउंसिलग की ओर रोजगार विभाग से सम्बंधित सभी स्कीमों व प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के बारे में जानकारी दी। इस रोजगार मेले में क्वेस कॉर्प लिमिटेड पलवल/बिलासपुर, फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी महेंद्रगढ़, रामाया हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड रोहतक, डेगानिया मेडिकल डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड मानेसर, एचडीएफसी बैंक गुरुग्राम व पुखराज हेल्थ केयर भिवानी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिला रोजगार अधिकारी ने मेले में भाग लेने वाले सभी नियोजकों व सभी सहयोगी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि रोजगार विभाग की ओर से भविष्य में भी बेरोजगार प्रार्थियों के लिए इस प्रकार के रोजगार के अवसर प्रदान किए जाते रहेंगे।

## पौष्टिक आहार थीम पर मनाया पोषण पखवाड़ा

# स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना विभाग की जिम्मेदारी, बचाना हमारा कर्तव्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की ओर से महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा पंचायत विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर जिलेभर में जल जीवन मिशन के तहत 9 से 23 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज जिले के विभिन्न खंडों की ग्राम पंचायतों में पौष्टिक आहार थीम पर विविध गतिविधियां आयोजित की गईं। नारनौल खंड के नांगतिहाड़ी, कनीना के मानपुरा, सिहमा के ग्राम पंचायत सिहमा, निजामपुर के गोलवा, महेन्द्रगढ़ के नांगल सिरोही, नांगल चौधरी के मेघोत बिंजा तथा सतनाली खंड के डिगरोता ग्राम पंचायत के आंगनबाड़ी केन्द्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। नांगतिहाड़ी ग्राम पंचायत में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीआरसी इंद्रजीत ने कहा कि पोषण पखवाड़ा का उद्देश्य बच्चों को कुपोषण से बचाना है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को नियमित रूप से संतुलित एवं पौष्टिक आहार दें। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को निर्धारित डाइट चार्ट के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जाता है तथा शून्य से 6 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य की समय-समय पर जांच आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा वर्करों के माध्यम से करवाई जाती है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केन्द्रों में भेजें, ताकि उन्हें प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ उचित पोषण भी मिल सके।

इस अवसर पर बीआरसी मोहित कुमार, बीआरसी इंद्रजीत, बीआरसी पूजा रानी, बीआरसी धर्मेंद्र, बीआरसी अनिता एवं बीआरसी निशु सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# सीजेएम नीलम कुमारी ने विभिन्न संस्थानों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा



**भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।**

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने आज नागरिक अस्पताल नशा मुक्ति केंद्र, पुलिस लाइन सेफ हाउस और नसीबपुर स्थित सेवा सीनियर सिटिजन होम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संस्थानों की कार्यप्रणाली को परखते हुए वहां आवासित नागरिकों को मिल रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान सीजेएम नीलम कुमारी ने नशा मुक्ति केंद्र में मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं और काउंसलिंग सेवाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों के पुनर्वास के लिए पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन स्थित सेफ हाउस की सुरक्षा व्यवस्था और आवास सुविधाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि यहां रहने वाले व्यक्तियों को नियमानुसार सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। नसीबपुर स्थित सीनियर सिटिजन होम में बुजुर्गों के स्वास्थ्य और खान-पान की जानकारी लेते हुए उन्होंने प्रबंधन को स्वच्छता और बेहतर देखभाल बनाए रखने के निर्देश दिए। सीजेएम ने कहा कि इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य इन संस्थानों में रह रहे व्यक्तियों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहें।

# पचेरी खुर्द के राजकीय स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन, भामाशाहों ने दस साइकिल और टेबल टेनिस की टेबल की भेंट

**भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।**

पचेरी खुर्द में शुक्रवार को शहीद भूपसिंह राजकीय स्कूल मे शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हनुमान प्रसाद यादव, विशिष्ट अतिथि बलवीर सिंह आर्य, घीसाराम यादव थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य सुरेश कुमार ने की। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने शिक्षा की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हनुमान प्रसाद यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि कठिन परिश्रम, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों से भी आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करें और उन्हें राजकीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करें। कार्यक्रम के दौरान बोर्ड परीक्षा में कक्षा आठवी, दसवीं, बारहवी में प्रथम , द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल दस विद्यार्थियों को भामाशाह हनुमान यादव के द्वारा साइकिल भेंट कर सम्मानित किया गया । इस दौरान बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को माल्यार्पण और साफा पहनाकर सम्मानित किया गया और साइकिल भेंट की गई । इस दौरान भामाशाह बजरंग लाल जांगिड सेवानिवृत प्रधानाचार्य , इंस्पेक्टर भीखाराम और मूलचंद शर्मा ने खेल सुविधाओं का विस्तार करते हुए विद्यालय में टेबल टेनिस की टेबल भेंट की। इस मौके पर शारीरिक शिक्षक राजवीर सांगवान, सूबेदार रतिराम यादव, छाजूराम यादव, प्रहलाद भगत, बजरंग लाल जांगिड , इंस्पेक्टर भीखाराम यादव , मूलचंद शर्मा, वीरेंद्र यादव, राजसिंह यादव, राजपाल यादव, कृष्ण कुमार, भीमदत्त शर्मा, फूलसिंह, रूडाराम यादव, अशोक कुमावत, राजेंद्र जांगिड, शेरसिंह , रामचन्द्र , श्यामलाल,सुरेश जांगिड, बस्तीराम आदि मौजूद रहे।

# फतेहाबाद के थाना शहर रतिया व थाना जाखल पुलिस की अलग-अलग कार्रवाई : सघन तलाशी अभियान चलाया गया

### डॉग स्क्वॉड, कमांडो टीम व स्थानीय पुलिस ने की चेकिंग, नशा तस्करी व संदिग्ध गतिविधियों पर रखी गई नजर

**भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।**

**रजत विजय रंगा ।** जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा नशा तस्करी व असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा लगातार सघन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना शहर रतिया व थाना जाखल पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्र में अलग-अलग विशेष अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों व स्थानों की गहन जांच की।थाना शहर रतिया प्रभारी ने महिला थारजत विजय रंगाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पा के कुशल नेतृत्व में डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम तथा स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर थाना क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान बाजार, सार्वजनिक स्थानों, सुनसान क्षेत्रों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष चेकिंग की गई तथा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर उनकी पहचान सुनिश्चित की गई। टीम द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हर पहलू पर सतर्कता बरती गई। वहीं थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश के नेतृत्व में गांव चूहरपुर में नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर विशेष तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने गांव में विभिन्न स्थानों पर जाकर जांच की तथा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक भी किया। ग्रामीणों से सहयोग की अपील करते हुए उन्हें नशा तस्करी संबंधी सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। जिले में शांति, सुरक्षा व नशा मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

# टोहाना के एसडीएम आकाश शर्मा ने किया नागरिक अस्पताल का निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

## इमरजेंसी, जच्चा-बच्चा और जनरल वार्ड का किया विस्तृत दौरा, मरीजों से लिया फीडबैक

**भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।**

**रजत विजय रंगा ।** एसडीएम आकाश शर्मा ने नागरिक अस्पताल का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, जच्चा-बच्चा वार्ड और जनरल वार्ड का दौरा कर मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। अस्पताल प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं और सुचारू कार्यप्रणाली पर एसडीएम ने संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम आकाश शर्मा ने अस्पताल की जांच लैब, ऑक्सीजन प्लांट और मेडिकल बायो-वेस्ट प्रबंधन प्रणाली की कार्यप्रणाली को भी बारीकी से देखा। उन्होंने अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों और उनके परिजनों से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें दी जा रही दवाइयों और सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। बातचीत के दौरान मरीजों ने अस्पताल प्रबंधन द्वारा दी जा रही चिकित्सा सेवाओं और देखभाल पर पूर्ण संतुष्टि जाहिर की। अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्थाओं को परखते हुए एसडीएम ने सभी कर्मचारियों का हाजिरी रजिस्टर चेक किया। उन्होंने सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को समय पर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित होने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों के साथ सभी कर्मचारी पूरी तरह से सभ्य, संवेदनशील और सहयोगात्मक व्यवहार करें। एसडीएम ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर व वार्डों में निरंतर उच्च स्तरीय स्वच्छता बनाए रखी जाए, ताकि मरीजों को एक संक्रमण मुक्त और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

एसडीएम आकाश शर्मा ने अस्पताल परिसर में बन रही नई बिल्डिंग के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य से जुड़े जरूरी दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन का निरंतर यही प्रयास है कि क्षेत्र के नागरिकों को सुलभ, आधुनिक और बेहतरीन चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होती रहें। एसडीएम ने कहा कि अस्पताल में सभी व्यवस्थाएं बिल्कुल सही पाई गई हैं और किसी भी मरीज द्वारा कोई शिकायत नहीं की गई है। उन्होंने विशेष रूप से मैटरनिटी और चाइल्ड वार्ड में मरीजों को प्रदान की जा रही बेहतरीन सुविधाओं को सही पाया।

# फतेहाबाद पुलिस का डबल एक्शनः नशा तस्करों पर शिकंजा, अवैध संपत्ति भी फ्रीज

**भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।**

**रजत विजय रंगा ।** फतेहाबाद पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और अधिक सख्त करते हुए स्पष्ट संदेश दिया है कि अब सिर्फ तस्करों की गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि उनकी अवैध कमाई पर भी सीधा प्रहार किया जाएगा। पुलिस की इस 'डबल एक्शन' रणनीति के तहत तस्करों की अवैध संपत्तियों को भी कानून के शिकंजे में लिया जा रहा है। इसी क्रम में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आदतन नशा तस्कर हरजिन्द्र सिंह उर्फ बिट्टू निवासी खुनन की करीब 38 लाख 60 हजार रुपये की अवैध संपत्ति को फ्रीज कर दिया है। वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार इस संपत्ति की कीमत 70 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। यह कार्रवाई निकिता खट्टर (पुलिस अधीक्षक, फतेहाबाद) के नेतृत्व में चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत की गई। वहीं, एएसपी दिव्याशीं सिंगला की निगरानी में पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। एएसपी सिंगला ने बताया कि 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत अब नशा तस्करों के आर्थिक नेटवर्क को तोड़ने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई एक संवेदनशील मामले की जांच के दौरान सामने आई। शिकायतकर्ता मंगल सिंह (निवासी खुनन) ने बताया कि उसके 24 वर्षीय पुत्र दिलशान की 28 अगस्त 2025 को तबीयत बिगड़ने के बाद नागपुर के बाला जी अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। बाद में जानकारी मिली कि आरोपी ने उसे नशीला इंजेक्शन दिया था, जिससे उसकी मौत हुई। इस मामले में थाना सदर रतिया में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई।

### गिरफ्तारी और आपराधिक रिकॉर्ड

जांच के दौरान आरोपी हरजिन्द्र सिंह को 2 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था। वर्तमान में वह जमानत पर है। आरोपी के खिलाफ कुल 13 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें 7 मामले एनडीपीएस एक्ट के तहत हैं। पुलिस के अनुसार यह रिकॉर्ड दर्शाता है कि आरोपी लंबे समय से नशा तस्करी में सक्रिय रहा है।

### अवैध संपत्ति पर कार्रवाई

मामले की गहन जांच के दौरान थाना सदर रतिया, पुलिस चौकी नागपुर तथा प्रॉपर्टी अटैचमेंट सेल द्वारा आरोपी की आय और संपत्तियों की वित्तीय जांच की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी की संपत्तियां उसकी वैध आय से कई गुना अधिक हैं और अवैध स्रोतों से अर्जित की गई हैं। इसके बाद एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-F(1) के तहत 7 फरवरी 2026 को संपत्ति फ्रीज करने के आदेश जारी किए गए, जिन्हें 6 अप्रैल 2026 को सक्षम प्राधिकरण साफेमा (नई दिल्ली) से मंजूरी प्राप्त हुई।पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी नशा तस्करों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

# फतेहाबाद के थाना भुना पुलिस की कार्रवाईः 6.16 ग्राम हेरोइन सहित आरोपी काबू

### श्रीराम नर्सरी के पास संदिग्ध युवक से बरामदगी, न्यायालय ने भेजा न्यायिक हिरासत में।

**भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/भुना।**

**रजत विजय रंगा ।** थाना भुना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से 6.16 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इस संबंध में थाना भुना में अभियोग दर्ज किया गया है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि एएसआई मेजर सिंह अपनी टीम के साथ गश्त व नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए भुना-फतेहाबाद रोड पर मौजूद थे। इस दौरान श्रीराम नर्सरी के पास एक युवक पुलिस गाड़ी को देखकर घबराकर सड़क पार कर सामने खाली प्लॉट की ओर जाने लगा। शक होने पर टीम ने पीछा कर उसे काबू कर लिया। आरोपी की पहचान प्रवीन पुत्र हनुमान सिंह निवासी वार्ड नंबर 3, भुना जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उसकी जेब से 6.16 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में अभियोग संख्या 84 दिनांक 16.04.2026 धारा 21बी/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा।

# टोहाना पुलिस की कड़ी कार्रवाईः घर के अन्दर घुसकर नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी काबू

### डीएसपी टोहाना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोचा – आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट और एस सी एस टी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज

**भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।**

**रजत विजय रंगा ।** फतेहाबाद पुलिस द्वारा महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने के लिए पूरी सक्रियता से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक नाबालिग बच्ची के साथ घर में घुसकर छेड़छाड़ करने के आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। डीएसपी टोहाना श्री जयभगवान ने जानकारी देते हुए बताया कि एक महिला ने थाना सदर टोहाना में शिकायत दर्ज करवाई थी कि जब वह मेहनत-मजदूरी के लिए घर से बाहर गई हुई थी, तो पीछे से आरोपी ने मौका पाकर घर में अकेली रह रही उसकी नाबालिग भतीजी के साथ छेड़छाड़ की। बच्ची द्वारा शोर मचाने पर आरोपी उसे छोड़कर मौके से फरार हो गया था। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कदम उठाए। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 333, पोक्सो एक्ट की धारा 8 और एस सी एस टी एक्ट की धारा 3(1)(डब्लू)(द्व) के तहत मुकदमा नंबर 58/2026 दर्ज किया गया।डीएसपी टोहाना के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित दबिश देकर आरोपी दर्शन सिंह को काबू कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है और नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

# थाना शहर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई : नशीली गोलियों के मुख्य सप्लायर काबू, एक दिन के रिमांड पर लिया

### कमर्शियल मात्रा में एल्प्राजोलम गोलियों की तस्करी का मामला, पहले एक आरोपी सहित गोलियां बरामद

**भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।**

**रजत विजय रंगा ।** थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कमर्शियल मात्रा में नशीली गोलियों के मुख्य सप्लायर को काबू किया है। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। रिमांड अवधि पूर्ण होने के उपरांत आरोपी को पुनः न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि दिनांक 12 फरवरी 2026 को पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक युवक को मोटरसाइकिल सहित काबू किया था। आरोपी की पहचान निशान सिंह पुत्र जीताराम निवासी गांव मान्डवी, तहसील मूनक, जिला संगरूर (पंजाब) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 118 पत्ते (कुल 1180) एल्प्राजोलम 0.5 टैबलेट बरामद की गई थीं, जो एनडीपीएस एक्ट के तहत कमर्शियल श्रेणी में आती हैं। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान उक्त आरोपी ने नशीली गोलियों के मुख्य सप्लायर के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। जांच के दौरान मुख्य सप्लायर की पहचान नारायण दत्त उर्फ नरेंद्र पुत्र ओम दत्त उर्फ खुशी पाल उर्फ मकोड़िया निवासी गांव कबरछन, जिला जींद के रूप में हुई। पुलिस ने तकनीकी व गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू किया। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 51 दिनांक 12.02.2026 धारा 22सी/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है तथा इस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भी तलाश की जा रही है।

# बौद्ध भिक्खु भन्ते धम्मप्रिय को उपासकों ने भेंट की कार, धम्म प्रचार को मिलेगी गति

### अंबेडकर जयंती समारोह में श्रद्धालुओं ने दिखाया समर्पण, दानदाताओं का किया सम्मान

**भीम प्रज्ञा न्यूज़.श्रीगंगानगर।**





भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर श्रीगंगानगर जिले के बींझबायला स्थित राजवंशी पैलेस में आयोजित समारोह में बौद्ध भिक्खु भन्ते धम्मप्रिय को उपासकों द्वारा कार भेंट कर सम्मानित किया गया। यह पहल धम्म प्रचार-प्रसार को गति देने के उद्देश्य से की गई। धम्मभूमि संस्थापक परम श्रद्धेय भिक्खु भन्ते डॉ. करुणाशील राहुल की प्रेरणा से उत्तरी राजस्थान के बौद्ध उपासक-उपासिकाओं ने मिलकर भन्ते धम्मप्रिय को स्वुह्हह्हद्ध च10 ङ्क्ङ्छ ष्टह्ल कार भेंट की, ताकि वे दूर-दराज क्षेत्रों में जाकर धम्म का प्रचार-प्रसार प्रभावी रूप से कर सकें। जयंती समारोह के संयोजक शंकर लाल साहू ने बताया कि बीकानेर से डॉ. एम.एल. जोईया, नोखा से डॉ. बिरमाराम बौद्ध, गंगानगर से ओमप्रकाश कालवा, जितेन्द्र सम्यक, डॉ. भीमराज बौद्ध, खाजुवाला से दुलीचंद पंवार, 465 आरडी से हर्षवर्धन बौद्ध, घड़साना से पूर्ण बौद्ध, पदमपुर से नीतू बौद्ध, नवीन बौद्ध, डॉ. सुभाष तथा कालीबंगा से सुनील सम्यक सहित अनेक श्रद्धालुओं ने सामूहिक सहयोग से यह कार भेंट की। इस अवसर पर बींझबायला उप तहसील क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों सहित गंगानगर, बीकानेर, खाजुवाला, 465 आरडी, खरबारा, धौलीपाल, सूरतगढ़ और घड़साना सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में उपासक-उपासिकाएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी दानदाताओं को धम्मभूमि बुद्धिस्ट वेल्फेयर ट्रस्ट, अलीगढ़ की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब का अंतिम संदेश 'धम्म की ओर लौटो' आज भी उतना ही प्रासंगिक है और बौद्ध धम्म की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के माध्यम से समाज में शांति, समता और भाईचारे को सशक्त किया जा सकता है। यह पहल न केवल भन्ते धम्मप्रिय के कार्यों को नई गति देगी, बल्कि समाज में धम्म के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

# राशन में खेल, गरीब की थाली पर डाका–ठीकरिया की उचित मूल्य दुकान का लाइसेंस निलंबित

**भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।**

**मनोज खंडेलवाल ।** सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता की कसौटी पर कसते हुए रसद विभाग ने सिकराय क्षेत्र की ग्राम पंचायत ठीकरिया स्थित उचित मूल्य दुकान पर ऐसी सख्त कार्रवाई की है, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। संयुक्त जांच दल की पड़ताल में जब राशन वितरण में गड़बड़ियों की परतें खुलीं तो यह मामला महज लापरवाही का नहीं, बल्कि गरीब की थाली पर सीधा डाका डालने जैसा साबित हुआ। नतीजतन विभाग ने बिना देर किए दुकान संचालक तोताराम मीना का प्राधिकार पत्र तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जिला रसद अधिकारी कौशल किशोर गुप्ता के अनुसार 16 अप्रैल को प्रवर्तन निरीक्षक सहित गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर दुकान का गहन निरीक्षण किया, जहां राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण का विनियमन) आदेश, 1976 के तहत जारी प्राधिकरण की शर्तों का खुला उल्लंघन सामने आया। जांच रिपोर्ट में न केवल वितरण व्यवस्था में गंभीर अनियमितताएं उजागर हुईं, बल्कि खाद्यान्न के गबन जैसे संगीन आरोप भी प्रमाणित पाए गए, जिसने पूरे प्रकरण को और अधिक गंभीर बना दिया। ऐसे में विभाग ने नियमों के तहत तत्काल कार्रवाई करते हुए लाइसेंस को अग्रिम आदेशों तक निलंबित कर दिया। ग्रामीण अंचल में यह कार्रवाई एक स्पष्ट संदेश बनकर उभरी है कि अब राशन व्यवस्था में 'ऊपर से नीचे तक' किसी भी स्तर पर गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय सख्ती इस बात का संकेत है कि गरीबों के हक पर डाका डालने वालों के लिए अब न तो कोई ढाल बचेगी और न ही कोई बहाना चलेगा।

# अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की कुप्रथा पर 'कानून का पहरा

### दौसा में कंट्रोल रूम से लेकर गांव-गांव तक सख्त निगरानी।

**भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।**

**मनोज खंडेलवाल ।** अबूझ सावों की आड़ में मासूम बचपन को बंधन में जकड़ने वाली कुप्रथा पर इस बार प्रशासन ने पहले से ही शिकंजा कस दिया है। आगामी अक्षय तृतीया और पीपल पूर्णिमा को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस महकमे ने बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक रणनीति लागू कर दी है, जिसमें गांव-ढाणी तक निगरानी का मजबूत तंत्र खड़ा किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा है कि कहीं भी बाल विवाह की भनक मिले तो तत्काल प्रभाव से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि कानून का डर जमीन पर नजर आए, कागजों तक सीमित न रहे। प्रशासन ने इस संवेदनशील मुद्दे पर त्वरित हस्तक्षेप के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर 01427-224903 नंबर जारी किया है, जिसकी जिम्मेदारी बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विश्व देव को सौंपी गई है, जबकि सहायक प्रभारी के रूप में चन्द्रप्रकाश उपाध्याय को नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही हर उपखंड स्तर पर भी कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिए गए हैं, ताकि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर बाल विवाह को रोका जा सके। आमजन के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 100 और राजस्थान संपर्क 181 जैसे माध्यम भी खुले रखे गए हैं, वहीं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी के रूप में उपखंड मजिस्ट्रेट और तहसीलदार को भी सीधे शिकायत देने की व्यवस्था की गई है। कानून की धार इस बार साफ और सख्त है, क्योंकि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह अपराध की श्रेणी में आता है। इतना ही नहीं, इस अवैध कृत्य में शामिल होने वाले हर व्यक्ति–चाहे वह परिवारजन हों, बाराती हों, पंडित-मौलवी, टैंट व्यवसायी, मैरिज होम संचालक, बैंड-बाजा दल, वीडियोग्राफर, हलवाई या यहां तक कि निमंत्रण पत्र छापने वाले भी–कानूनी शिकंजे से नहीं बच पाएंगे। दोषी पाए जाने पर दो वर्ष तक का कठोर कारावास और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान स्पष्ट रूप से लागू किया जाएगा। राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम के तहत सरपंच और वार्ड पंच की जवाबदेही भी तय की गई है, जिससे गांव स्तर पर जवाबदेही की कड़ी और मजबूत हो गई है। बाल अधिकारिता विभाग ने चेताया है कि यह कुप्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य पर सीधा प्रहार है, जहां पढ़ाई बीच में छूट जाती है, कम उम्र में गर्भधारण से जच्चा-बच्चा की जान पर बन आती है, मानसिक और सामाजिक विकास थम जाता है और जीवनभर के लिए असुरक्षा की दीवार खड़ी हो जाती है।

# आईपीएल में आज होगा सीएसके और सनराइजर्स में मुकाबला

**हैदराबाद (एजेंसी)।** सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर जीत के इरादे से उतरेगी। अपने शुरुआती चार मैचों में से तीन में हारने के बाद सनराइजर्स ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार वापसी की है। पिछले मैच में उसने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इन दोनो ही गेंदबाजी ने रॉयल्य के खिलाफ चार-चार विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इन दोनों युवा गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। वहीं दूसरी और रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतर रही सीएसके का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और वह अंक तालिक में काफी नीच है। रुतुराज सहित टीम के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। टीम अब तक एक संजू सैमसन के शतक से एक ही मैच जीती है। सैमसन ने ही अब तक एक अर्धशतक और एक शतक लगाया है। टीम को अब तक दो जीत मिली है जिससे वह वापसी की राह पर है। टीम के पास बल्लेबाजी में युवा आयुष म्हात्रे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और दो अर्धशतक लगाये हैं। किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद के चोटिल होकर बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। ऐसे में टीम इस मैच में मुकेश कुमार को शामिल कर सकती है। दोनो के बीच अब तक कुल 22 मैच खेले गए हैं, जिनमें से 15 में सीएसके और 7 में सनराइजर्स जीती है।

### टीम इस प्रकार है

**सनराइजर्स हैदराबाद:** ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी।

**चेन्नई सुपर किंग्स:** रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

# डी कॉक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

**मुम्बई (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी कॉक ने शानदार शतक लगया था। डी कॉक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं।

मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं।

इसके अलावा डी कॉक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी कॉक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।

आईपीएल के बाहर भी डी कॉक ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया गया यह शतक उनके टी20 करियर का नौवां शतक था, जिसके साथ ही वह विराट कोहली के शतकों की बराबरी पर आ गये हैं। डी कॉक अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में उनसे ऊपर क्रिस गेल 22 शतक, बाबर आजम 11 शतक और डेविड वॉर्नर 10 शतक हैं।

# मुम्बई इंडियंस को हराकर पंजाब किंग्स अंक तालिका में शीर्ष पर

**मुंबई (एजेंसी)।** प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 80) और श्रेयस अय्यर (66) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत पंजाब किंग्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 24वें मुकाबले में मुम्बई इंडियंस को 21 गेंदें शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही पंजाब किंग्स अंक तालिका में नौ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है।

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई उसने तीसरे ही ओवर में प्रियांश आर्य (15) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कूपर कॉनली भी (17) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। दोनों बल्लेबाजों को ए एम गजनफर ने आउट किया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट लिये 139 रन जोड़े। 16वें ओवर शार्दुल ठाकुर ने श्रेयस अय्यर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 66 रनों की पारी खेली। पंजाब किंग्स ने 16ञ्3 ओवरों में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 80 रनों की पारी खेली। मार्कस स्टॉयनिस 10 रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस की यह पांच मैचों में लगातार चौथी हार है।

आज यहां इससे पहले क्विंटन डी कॉक (नाबाद 112) और नमन धीर (50) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर मुम्बई इंडियंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ छह विकेट पर 195 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे अर्शदीप सिंह ने तीसरे ही ओवर में रायन रिकलटन (दो) और सूर्यकुमार यादव (शून्य) के रूप में दोहरे झटके दिये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये नमन धीर ने क्विंटन डी कॉक के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 122 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में शशांक सिंह ने नमन धीर को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। नमन धीर ने 31 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए 50 रनों की पारी खेली। चौथे विकेट के रूप में हार्दिक पंड्या (14) एक बेहतरीन कैच पर लपके गये। उन्हें मार्को यानसन ने आउट किया। 19वें ओवर की पांचवी गेंद पर अर्शदीप सिंह ने शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (एक) को बोल्ड कर पंजाब को पांचवीं सफलता दिलाई। तिलक वर्मा (आठ) रन आउट हुये।

# आईपीएल में आज दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बेंगलुरू (ईएमएस)। यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है और उसने पांच में से अपने चार मैच जीते हैं। जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान है। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

इस सत्र में वह केवल एक मैच राजस्थान रॉयल्स से हार है। अब वह इस मैच को जीतकर अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी संभावनाएं और मजबूत करने उतरेगी।

वहीं अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है। चार मैचों में दो जीत के साथ ही वह पांचवें स्थान पर है। उसे गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। टीम में निरंतरता की कमी है। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी आरसीबी से कमजोर है। ऐसे में उसे अगर ये मैच जीतना है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम की बल्लेबाजी केएल राहुल पर निर्भर करती है जबकि गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी संभालेंगे।

आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक कुल 33 मैच हुए हैं। इसमें से आरसीबी को 20 बार जबकि दिल्ली कैपिटल्स को 12 बार जीत मिली है वहीं एक मैच को परिणाम नहीं निकला।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

**आरसीबी :** रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, ऋणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा
इम्पैक्ट प्लेयर-देवदत्त पडिक्कल

**दिल्ली कैपिटल्स :** अक्षर पटेल (कप्तान), पाथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, औकिब नबी डार, विप्रज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार
इम्पैक्ट प्लेयर-समीर रिजवी

# नोवाक जोकोविच चोट के कारण मैड्रिड ओपन से हटे

मैड्रिड। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने लंबे समय से चली आ रही चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच ने इंडियन वेल्स में आयोजित बीएनपी परीबस ओपन के बाद से कोई प्रतियोगिता नहीं खेली है। वह दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन से बाहर रहे थे और मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया। जोकोविच ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'दुर्भाग्यवश, मैं इस साल मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। मैं जल्द वापसी के लिए अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हूं। हस्ता प्रोंतो (जल्द ही फिर मिलेंगे)।' जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रह चुके हैं। टूर्नामेंट की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'हम उम्मीद करते हैं कि आप जल्द ही यहां वापसी करेंगे, ताकि हम काजा मागिका (मैड्रिड ओपन की मेजबानी करने वाले स्टेडियम) में एक बार फिर आपके खेल का आनंद ले सकें। जैसा कि हमने पहले कई बार किया है।'

# 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं कमिंस

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस अपनी चोट से उबर गये हैं और आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद से शीघ्र ही खेलते दिख सकते हैं। कमिंस के 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से इस सत्र में वापसी की उम्मीद है। कमिंस के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशान सनराइजर्स की मुश्किलें समाप्त हो जाएंगी। कमिंस के नहीं होने से अभी टीम ईशान किशन की कप्तानी में खेल रही है। कमिंस अगर वापसी करने में सफल रहते है तो टीम के जीतने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। कमिंस की वापसी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक बड़ी राहत है, जो उन्हें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने और संभावित रूप से खिताब की ओर बढ़ने में मदद कर सकती है।

# मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके। आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खितब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है। इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है। इस पूर्व क्रिकेटर ने हार्दिक की कप्तानी को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2022 तक पाँच आईपीएल ट्रॉफी जीती थीं, जबकि हार्दिक पांड्या ने गुजरात टाइटन्स के साथ 2023 और 2024 में कोई ट्रॉफी नहीं जीती, और इस साल भी ऐसा होने की संभावना कम ही है। तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि कप्तान के तौर पर जितना सजग और सक्रिय होना चाहिये वैसे हार्दिक नहीं हैं। गौरतलब है कि हार्दिक आईपीएल 2021 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे पर साल 2022 में दो नई टीमों के आने के बाद उन्हें गुजरात टाइटन्स का कप्तान बना दिया गया था पर दो साल बाद ही वह वापस मुम्बई पहुंच गये।

# 'यही चीज आखिरकार टीम को जीत दिलाती है', रिकी पोंटिंग ने खोला पंजाब किंग्स की सफलता का राज

**मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)।** पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस पर अपनी टीम की 7 विकेट की शानदार जीत के बाद जीतने वाली सोच बनाने के पीछे के मुख्य कारणों का खुलासा किया। PBKS ने IPL 2026 सीजन में अपनी चौथी जीत दर्ज की। वे एकमात्र ऐसी टीम हैं जिसे अभी तक कोई हरा नहीं पाया है। पांच मैचों में से उन्होंने चार जीते हैं, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

जियो हॉटस्टार पर बात करते हुए पोंटिंग ने कहा कि एक जीतने वाली टीम बनाने की शुरुआत एक ऐसा माहौल बनाने से होती है जहां खिलाड़ियों को लगे कि उनकी कद्र हो रही है और वे टीम के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक कोच के तौर पर उनकी भूमिका खिलाड़ियों को नियंत्रित करने के बजाय उनका मार्गदर्शन करना और उन्हें चुनौती देना है, और असफलता को

खेल का ही एक हिस्सा मानना है।

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, इसकी शुरुआत एक सही माहौल बनाने से होती है जहां हर खिलाड़ी को लगे कि उसकी कद्र हो रही है और वे सभी एक ही सोच रखते हैं। एक कोच के तौर पर मैं वहां उनका समर्थन करने और उन्हें चुनौती देने के लिए हूं, न कि उन्हें नियंत्रित करने के लिए। यहां तक कि जब वे असफल होते हैं, तो उन्हें यह पता होना चाहिए कि यह खेल का ही एक हिस्सा है।'

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने आगे कहा कि ञ्20 क्रिकेट में सफलता कुछ खिलाड़ियों के आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने पर निर्भर करती है, इसलिए खिलाड़ियों की भूमिकाएं साफ तौर पर तय होना और टीम का सही कल्चर होना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह जैसे खिलाड़ियों का समर्थन करने से उन्हें शानदार प्रदर्शन करने में मदद मिली है, जिससे बदले में टीम को भी सफलता मिली है।

उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट में किसी भी दिन आपको बस कुछ ही खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभालें। इसलिए यह एक मजबूत टीम बनाने के बारे में है, जिसमें हर खिलाड़ी की भूमिका साफ तौर पर तय हो। हमारी नीलामी की रणनीति का भी यह एक बड़ा हिस्सा था - सही लोगों को टीम में लाना ताकि टीम का माहौल (culture) सही बन सके। जब खिलाड़ियों को लगता है कि टीम उनके साथ खड़ी है - जैसे कि प्रभसिमरन या शशांक जैसे खिलाड़ी - तो वे अपने प्रदर्शन से इसका जवाब देते हैं और यही चीज आखिरकार टीम को जीत दिलाती है।'

# चोट के कारण एकिटिके बाकी सीजन और फुटबॉल विश्वकप से बाहर

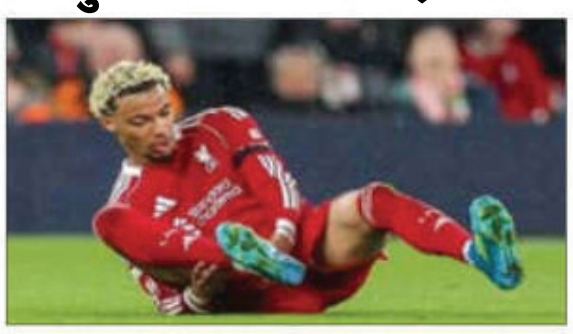

लंदन। फ्रांस के स्ट्राइकर ह्यूगो एकिटिके, लिवरपूल के चैंपियंस लीग मैच में पेरिस सेंट-जर्मेन से हार के दौरान एच्लीस टेंडन में चोट लगने के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। एकिटिके पहले हाफ में फिसलने के बाद एनफील्ड के मैदान से स्ट्रेचर पर बाहर निकले। लिवरपूल को डर है कि 23 साल का यह खिलाड़ी लंबे समय तक खेल से बाहर रह सकता है, जिससे वह अगले सीज़न की शुरुआत में भी नहीं खेल पाएगा। बुधवार को उनका स्कैन हुआ, जिसमें गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को जारी एक बयान में लिवरपूल ने उनके ठीक होने की कोई समय-सीमा नहीं बताई। क्लब ने कहा, 'चोट के स्कैन से बाद में एच्लीस टेंडन फटने की पुष्टि हुई है। इसलिए, एकिटिके क्लब सीजन के बाकी हफ्तो के लिए खेल से बाहर रहेंगे और इस गर्मी में फ्रांस के साथ होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इस बारे में आगे की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' बुधवार रात, फ्रांस के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स ने फ्रेंच फुटबॉल फेडरेशन द्वारा जारी एक बयान में कहा कि एकिटिके अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले इस गर्मी के टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा- 'ह्यूगो उन दर्जन भर युवा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने हाल के महीनों में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना डेब्यू किया है। वह मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह टीम के साथ पूरी तरह से घुल-मिल गए थे। यह चोट बेशक उनके लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन फ्रांस की टीम के लिए भी यह एक बड़ा झटका है।'

# टी20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई। भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं। एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। ऑफ-स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है। दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन कॉल रिकॉर्डिंग से संबंधित है। इस रिकॉर्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है। रिकॉर्डिंग में मैचों को फिक्स करने की कोशिशों के भी दावे हैं, हालांकि इनके लिए पक्के सबूत अभी नहीं मिले है।

# श्रेयस अय्यर ने हवा में उड़कर पकड़ा नामुमकिन सा कैच, रोहित और सूर्या रह गए दंग, रिएक्शन वीडियो हुआ वायरल

**मुंबई (एजेंसी)।** श्रेयस अय्यर ने बाउंड्री लाइन पर शानदार फील्डिंग करते हुए रिले कैच पूरा कराया, जिससे हार्दिक पांड्या आउट हुए। इसे देखकर रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव हैरान रह गए।

आईपीएल में बाउंड्री लाइन पर रिले कैच हमेशा से फैंस के लिए खास आकर्षण रहे हैं और आईपीएल 2026 के 24वें मुकाबले में भी ऐसा ही शानदार नजारा देखने को मिला। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले जा रहे मैच में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने अपनी फुर्ती और सूझबूझ से एक बेहतरीन रिले कैच पूरा कर सभी को हैरान कर दिया। बाउंड्री के पास संतुलन बिगड़ने के बावजूद उन्होंने गेंद को साथी खिलाड़ी की ओर उछालकर विकेट हासिल कराया, जो इस मैच का यादगार पल बन गया।

### बाउंड्री लाइन पर श्रेयस अय्यर का शानदार कमाल

यह शानदार कैच उस समय देखने को मिला जब मार्को यानसेन की गेंद पर हार्दिक पांड्या ने सामने की ओर बड़ा शॉट खेला। लॉन्ग ऑन पर खड़े श्रेयस अय्यर ने दौड़ते हुए गेंद को लपका, लेकिन उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बाउंड्री लाइन के बाहर जाने लगे। ऐसे में उन्होंने शानदार समझदारी दिखाते हुए हवा में ही गेंद को मार्को यानसेन की ओर उछाल दिया। यानसेन ने बिना कोई गलती किए कैच पूरा कर लिया और हार्दिक पांड्या की पारी का अंत कर दिया। यह रिले कैच फील्डिंग के बेहतरीन उदाहरणों में से एक माना जा रहा है।

### रोहित और सूर्यकुमार का रिएक्शन हुआ वायरल

श्रेयस अय्यर का यह कमाल मुंबई इंडियंस के डगआउट के सामने ही हुआ, जहां रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव बैठे हुए थे। इस शानदार फील्डिंग को देखकर दोनों खिलाड़ी हैरान रह गए। सूर्यकुमार यादव का मुंह खुला रह गया, जबकि रोहित शर्मा आश्चर्य से उनकी ओर देखते नजर आए। इसके बाद अय्यर ने दर्शकों की तरफ इशारा करते हुए इस विकेट का जश्न मनाया, जिसका वीडियो तेजी से वायरल हो गया और फैंस भी इस पल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

### डी कॉक का शतक और मुंबई का मजबूत स्कोर

अगर मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 195 रन बनाए। टीम की ओर से क्विंटन डी कॉक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 112 रन की पारी खेली। उन्होंने 60 गेंदों पर 186 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और अपनी पारी में 8 चौके व 7 छक्के लगाए। उनके अलावा नमन धीर ने भी 31 गेंदों में 50 रन की अहम पारी खेली।

पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 विकेट झटके और इस दौरान अपने 100 आईपीएल विकेट भी पूरे किए।

# स्टटगार्ट ओपन 2026 : रयबाकिना और गॉफ क्वार्टरफाइनल में, मुचोवा भी आगे बढ़ीं

स्टटगार्ट। जर्मनी में खेले जा रहे स्टटगार्ट ओपन 2026 में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। शीर्ष वरीय कजाखिस्तान की एलेना रयबाकिना ने रूस की डायना श्नाइडर को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। 26 वर्षीय रयबाकिना ने अपने मजबूत सर्विस गेम के दम पर 1 घंटे 12 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। दूसरे सेट में श्नाइडर ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर की गई डबल फॉल्ट्स ने उन्हें पीछे कर दिया, जिसका फायदा रयबाकिना ने उठाया। उन्होंने मैच का अंत अपने नौवें ऐस के साथ किया। अब क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला लेयला फर्नांडीज या जेनेप सोनमेज में से किसी एक से होगा। दूसरी ओर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अमेरिका की कोको गॉफ ने ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 7-5, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से होगा। गॉफ ने कहा कि उन्होंने क्ले कोर्ट पर अपने खेल को 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन राफेल नडाल से प्रेरित किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'क्ले कोर्ट के सबसे महान खिलाड़ी राफा हैं। मैं पूरी तरह उनकी तरह नहीं खेलती, लेकिन उनकी तरह फोरहैंड मारने की कोशिश करती हूं।' इससे पहले, कैरोलिना मुचोवा ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एलिस मर्टेंस को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया और क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

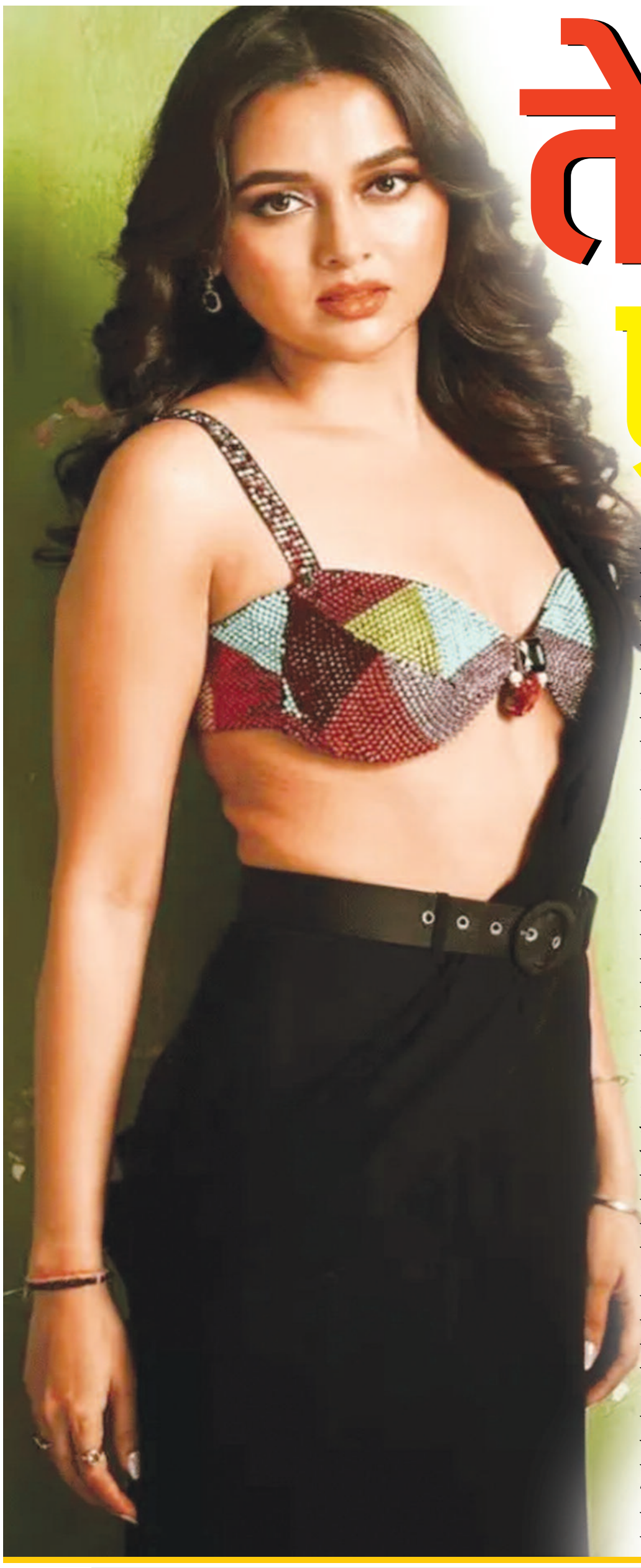

# तेजस्वी प्रकाश

## कब करेंगी करण कुंद्रा संग शादी?

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. अक्सर दोनों की शादी को लेकर रूमर्स उड़ती रहती है. इसी बीच एक बार फिर कपल की शादी की खबरें फैलने लगीं. एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश ने अपने लंबे समय के पार्टनर करण कुंद्रा के साथ शादी को लेकर हाल ही में फैल रही खबरों पर जवाब दिया है. तेजस्वी और करण 'बिग बॉस 15' के वक्त से ही एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. बीते दिनों अपनी गुपचुप शादी को लेकर काफी चर्चा में रहा है. हालांकि, तेजस्वी ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया है और साफ कहा है कि फिलहाल उनका शादी की कोई प्लान नहीं है.

जब से करण और तेजस्वी ने अपना रिलेशनशिप पब्लिक किया है, तभी से फैंस इनकी शादी का इंतजार कर रहे हैं. आए दिन दोनों की शादी की खबर सामने आती रहती है. फैंस को उम्मीद है कि कपल इसी साल शादी के बंधन में बंध जाएगा. इसी बीच ऐसी अफवाह उड़ी कि तेजस्वी और करण ने सीक्रेट वेडिंग कर ली है. अब इन अफवाहों को तेजस्वी ने एक सिरे से नकार दिया है और शादी को लेकर अपना प्लान बताया है.

**तेजस्वी ने शादी पर क्या बोला?**

बॉम्बे टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में तेजस्वी ने अपनी शादी की प्लानिंग जुड़ी अफवाहों पर बात करते हुए, ऐसा अभी जल्द ही नहीं होने वाला है. तेजस्वी प्रकाश के इस बयान से साफ हो गया कि कपल का फिलहाल शादी करने का कोई इरादा नहीं है. आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही कपल एक ही घर में शिफ्ट हुआ था. उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स पर साथ मिलकर काम भी किया है.

तेजस्वी और करण के फैंस उन्हें शादी के बंधन में बंधते देखने के लिए कितने भी बेताब क्यों न हों, अभी ऐसा होने की कोई उम्मीद नहीं है. तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा टेलीविजन इंडस्ट्री के 'IT' कपल बन गए हैं. चाहे 'लाफ्टर शेफ्स' का सेट हो या 'स्प्लिट्सविला X6', उनकी केमिस्ट्री ने हमेशा उनके रिश्ते की गहराई को बयां किया है. अपनी आने वाली फिल्म 'साइको सैयां' के प्रमोशन के लिए करण ने अपनी चेस्ट पर तेजस्वी के चेहरे का टैटू भी बनवाया था.

## रणबीर कपूर के साथ स्विट्ज़रलैंड पहुंचीं आलिया भट्ट, बर्फीली वादियों में मनाई चौथी सालगिरह




रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म दिवाली 2026 के मौके पर रिलीज होगी. बीते कुछ वक्त से रणबीर इस फिल्म को लेकर काफी बिजी चल रहे हैं. लेकिन अब बिजी लाइफ से थोड़ा वक्त निकालकर रणबीर अपनी पत्नी आलिया भट्ट के साथ स्विट्ज़रलैंड पहुंचे हैं. दरअसल, रणबीर और आलिया की शादी को 4 चाल पूरे हो चुके हैं. इस खास मौके पर कपल बर्फीली वादियों में पहुंचा है और एंजॉय कर रहा है.

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने अपनी चौथी शादी की सालगिरह को पहाड़ों की शांत वादियों में मना रहा है. दोनों ने बर्फ से ढके नजारों के बीच अपने खूबसूरत पलों के कुछ खूबसूरत मूमेंट शेयर किए. इस खास मौके ने फैंस को कपल की निजी जिंदगी की एक प्यारी झलक दिखी, जिस पर सोशल मीडिया पर खूब प्यार और शुभकामनाएं बरस रही हैं.

**आलिया-रणबीर की चौथी सालगिरह**

आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ प्यारी तस्वीरें और एक वीडियो भी शेयर किया. इन तस्वीरों में आलिया और रणबीर बर्फीली वादियों में एंजॉय करते हुए दिख रहे हैं. आलिया की इन फोटोज में बेटी राहा की झलक भी देखने को मिली, जिसपर लोग काफी प्यार बरसा रहे हैं. आलिया भट्ट और रणबीर कपूर अपनी शादी की चौथी सालगिरह मनाने के लिए स्विट्डरलैंड पहुंचे हैं.

आलिया भट्ट ने अपने सोशल मीडिया पर इन फोटोज को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, फिसलने और गिरने, चलने और ढेर सारी बातों के बीच कहींञ् हमने अपने लिए एक बहुत बढ़िया जिंदगी बनाई. शॉर्ट में.. तू साथ है तो दिन रात है. आलिया की इस पोस्ट पर फैंस और उनके करीबी खूब प्यार लुटा रहे हैं.

## फेक रिव्यू के आरोपों पर वरुण धवन हुए आग बबूला, इन्फ्लुएंसर को दिया करारा जवाब




वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर की अगली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का फर्स्ट लुक टीजर मंगलवार को जारी किया गया. फर्स्ट लुक टीजर के आते ही एक बार फिर सोशल मीडिया पर कई लोग वरुण धवन और उनकी फिल्म के इस टीजर को ट्रोल करने लगे. इसी बीच एक इन्फ्लुएंसर ने भी वीडियो बनाकर दावा कर दिया कि मेट्रो स्टेशन के बाहर दो लोग 'है जवानी तो इश्क होना है' के टीजर का फेक रिव्यू उनसे मांग रहे थे. इन आरोपों पर वरुण धवन भड़क गए और सोशल मीडिया पर उस इन्फ्लुएंसर को करारा जवाब दिया है.

इंस्टाग्राम पर इन्फ्लुएंसर सिमरन भट्ट ने एक रील पोस्ट किया और दावा किया कि कुछ लोग उनके पास आए और वरुण धवन की फिल्म के टीजर के लिए उनसे रिव्यू मांगने लगे. सिमरन ने दावा किया कि जब उन लोगों को उन्होंने बताया कि मैंने टीजर नहीं देखा है तो रिव्यू कैसे दूं तो उन्होंने कहा कि हम आपको जो कहेंगे वो आप कह दीजिए.

जब उन्होंने फेक रिव्यू मांगने पर सवाल उठाया तो उन लोगों ने कहा कि आप टीजर अभी देख लीजिए. हालांकि सिमरन ने ये कह कर उन्हें मना कर दिया कि उनको अभी कहीं जाना है और उनके पास वक्त नहीं है.

रील में वो कहती हैं, भाई, वरुण धवन के इतने बुरे दिन आ गएह हैं कि उसको फेक रिव्यूज लेने पड़ रहे हैं. क्या बकवास है ये.

**वरुण धवन ने दिया ऐसा जवाब**

ये रील सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया और इस पर ढाई लाख से ज्यादा व्यूज आ गए. वीडियो के वायरल होने पर इस पर वरुण ने भी कमेंट कर दिया. उन्होंने लिखा, उम्मीद करता हूं आपको इस वीडियो से जितने व्यूज़ चाहिए, वो मिल जाएंगे.

**डेविड धवन ने किया है निर्देशन**

'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन वरुण के पिता और दिग्गज निर्देशक डेविड धवन ने किया है. फिल्म में मौनी रॉय, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल और राकेश बेदी जैसे सितारे भी हैं. फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ की जाएगी.

### जिस डायरेक्टर संग दी 2 सुपरहिट, उसके साथ

# कार्तिक आर्यन

### ने 8 साल बाद मिलाया हाथ, शूटिंग पर आया अपडेट

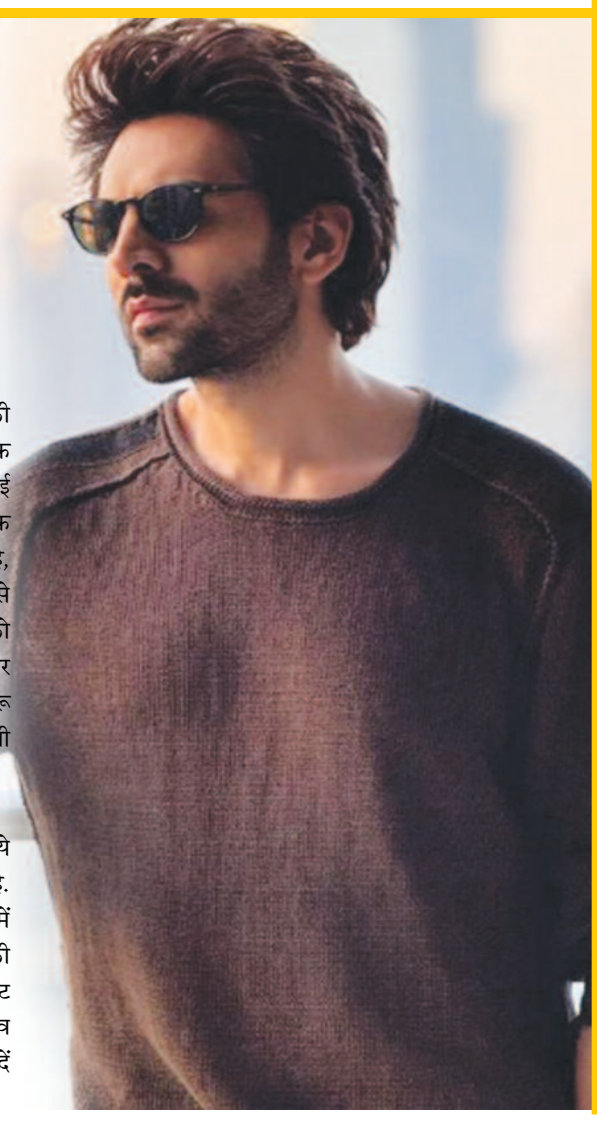



कार्तिक आर्यन का शेड्यूल इस वक्त काफी बिजी चल रहा है. एक्टर के खाते में इस वक्त कई सारी फिल्में हैं, जो 2026 से 2027 तक रिलीज होंगी. कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी 'नागजिला' को लेकर चर्चा में चल रहे हैं और उनके पास 'तू मेरी जिंदगी है' भी है. इसी बीच कार्तिक आर्यन ने एक और फिल्म की तैयारी कर ली है. इस बार कार्तिक आर्यन ने उसी डायरेक्टर के साथ हाथ मिलाया है, जिसके साथ एक्टर ने 2 सुपरहिट मूवीज दी हैं. कार्तिक आर्यन एक बार फिर लव रंजन की फिल्म में नजर आने वाले हैं.

कार्तिक आर्यन की क्र-ञ्श्2ठ्ठ में इन दिनों सबसे ज्यादा डिमांड है. कार्तिक आर्यन लगातार एक के बाद एक फिल्में साइन कर रहे हैं. जहां एक तरफ वो अभी अनुराग बसु की अगली फिल्म और कबीर खान की स्पॉर्ट्स ड्रामा फिल्म की तैयारी कर रहे हैं. वहीं, अब खबर है कि कार्तिक और लव रंजन 'प्यार का पंचनामा' फ्रैंचाइजी और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' की जबरदस्त सक्सेस के बाद अपने अगले प्रोजेक्ट को बनाने की बात कर रहे हैं.

**कार्तिक आर्यन-लव रंजन अपकमिंग फिल्म**

बॉलीवुड हंगामा ने अपनी एक रिपोर्ट में सोर्स के हवाले से बताया कि कार्तिक आर्यन ने लव रंजन की अगली फिल्म के लिए हरी झंडी दे दी है, और इसकी शूटिंग 2026 के आखिर में शुरू होगी. लव रंजन काफी वक्त से कार्तिक आर्यन के साथ काम करना चाहते थे और पिछले 6 महीनों से दोनों कई टॉपिक पर चर्चा कर रहे थे. कई बातचीत के बाद उन्होंने आखिरकार एक दिलचस्प आइडिया पर मुहर लगा दी है, जो 'पंचनामा' फ्रैंचाइजी की दुनिया से ही जुड़ा है. कार्तिक आर्यन ने स्क्रिप्ट को मंजूरी दे दी है और 2026 के आखिर यानी अक्टूबर से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है, क्योंकि एक्टर ने अपनी डेट्स भी दे दी हैं.

**कार्तिक आर्यन और लव रंजन मूवीज**

कार्तिक आर्यन और लव रंजन की ये अगली फिल्म रोम-कॉम होने वाली है.

आपको बता दें कि इससे पहले एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ी 4 फिल्में साथ में कर चुकी हैं, जिनमें प्यार का पंचनामा, आकाशवाणी, सोनू के टीटू की स्वीटी और सोनू के टीटू की स्वीटी 2. इन चार फिल्मों में से 2 सुपरहिट साबित हुईं तो एक फ्लॉप और एक एवरेज रही. अब इतने सालों बाद लव रंजन और कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें हैं.

## संक्षिप्त समाचार

### पाकिस्तान में पोलियो टीमों पर हमले, 3 कर्मचारी अगवा, एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पोलियो टीकाकरण टीमों को निशाना बनाकर किए गए अलग-अलग हमलों में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले से तीन टीकाकरण कर्मियों के अपहरण की भी खबर है। बलूचिस्तान के नासिराबाद जिले के डेरा मुराद जमाली इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीम पर उस समय हमला किया जब वे विश्राम कर रहे थे। क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आसिफ खानजादा के अनुसार, महिला स्वास्थ्य कर्मियों सहित सुरक्षाकर्मियों का दल दोपहर के भोजन के लिए एक छायादार स्थान पर रुका था। तभी तीन मोटरसाइकिलों पर सवार हमलावरों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल फरहान बशीर की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार होने में सफल रहे। नासिराबाद के उपायुक्त जुल्फिकार अली कर्रार ने स्पष्ट किया है कि इस कायराना हमले के बावजूद राष्ट्रव्यापी पोलियो रोधी अभियान जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले कुछ दिनों में हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। हांगू जिले के समाना रोड पर एक सशस्त्र हमलावर ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, जिसमें कांस्टेबल मोहम्मद अनस घायल हो गए। हालांकि, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बन्नू जिले के झंडोखेल इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों ने पोलियो टीम के तीन कर्मचारियों का अपहरण कर लिया है। ये कर्मी नियमित टीकाकरण अभियान पर थे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू कर दिया है। इससे दो दिन पहले भी हांगू के चापरी वज़ीरान इलाके में एक कांस्टेबल की हत्या कर दी गई थी और चार अन्य घायल हुए थे।

### तुर्किये में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की :9 की मौत

**अंकारा, एजेंसी।** तुर्किये में लगातार दूसरे दिन स्कूल में गोलीबारी का मामला सामने आया है। बुधवार को एक मिडिल स्कूल में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की। इसमें एक शिक्षक समेत 9 छात्रों की मौत हुई, जबकि लगभग 13 लोग घायल हुए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। 6 घायलों की हालत गंभीर है। गवर्नर मुकेर्रम उनलुएर ने बताया कि हमलावर आठवीं कक्षा का छात्र था। वह अपने बैग में पांच हथियार और सात मैगजीन लेकर स्कूल पहुंचा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये हथियार उसके पूर्व पुलिस अधिकारी पिता के हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में पुलिस तैनात किया गया और जांच शुरू की गई। गवर्नर के मुताबिक, हमलावर स्कूल के अंदर दो कक्षाओं में घुसा, जहां पांचवीं कक्षा के छात्र पढ़ रहे थे। उसने वहां अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई गई है और उनका ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि गोलीबारी के दौरान कई छात्र स्कूल की दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर को स्कूल के गलियारे में छात्रों पर गोली चलाते हुए भी देखा गया। हालांकि इन फुटेज की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद न्याय मंत्री अकीन गुरलेक ने कहा कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

### अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 10 जहाजों को लौटाया

**तेहरान, एजेंसी।** अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 10 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने नाकाबंदी नहीं हटाई, तो वह खाड़ी इलाके में व्यापार को बाधित कर सकता है। आज इजराइल और लेबनान के नेता जंग खत्म करने पर सीधे बातचीत करेंगे। यह पिछले 34 साल में दोनों देशों के बीच पहली सीधी बातचीत होगी। इजराइल और लेबनान के नेता आखिरी बार 1991 में मैड्रिड कॉन्फ्रेंस में आमने-सामने बैठे थे। अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं।

# ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच 34 साल बाद हो रही वार्ता का किया स्वागत

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने एक बार फिर से साफ किया है कि इजरायल और लेबनान के बीच संभावित सीजफायर ईरान के साथ उसकी बातचीत का हिस्सा नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारतीय समयानुसार गुरुवार को यानी इजरायल और लेबनान के बीच बातचीत होगी। भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'इजराइल और लेबनान के बीच थोड़ी राहत दिलाने की कोशिश कर रहा हूं। दोनों नेताओं ने लगभग 34 साल से बात नहीं की है। अब बात होगी। बढ़िया।' हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वार्ता में कौन-कौन शामिल होंगे। ईरान और अमेरिका के बीच दो हफ्ते का सीजफायर होने के बाद ईरानी पक्ष की तरफ से ये दावा किया कि इजरायल ने लेबनान पर हमला करके सीजफायर का उल्लंघन किया है। हालांकि, अमेरिका ने कहा कि इस सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया था। इजरायल और लेबनान के बीच लगभग 34 सालों में पहली बार उच्चस्तरीय बातचीत हो रही है। दोनों देशों के बीच अमेरिका मध्यस्थ का काम कर रहा है। वॉशिंगटन इजरायल की उत्तरी सीमा पर तनाव कम करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशें तेज कर रहा है। अमेरिकी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने लेबनान में युद्धविराम के लिए नहीं कहा था और यह ईरान के साथ शांति बातचीत का हिस्सा नहीं था। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल और लेबनान के बीच शांति समझौते के हिस्से के तौर पर लेबनान में दुश्मनी खत्म होने का स्वागत करेंगे। रुबियो की मौजूदगी में लेबनान और इजरायल के बीच दुर्लभ सीधी बातचीत सालों में पहली बार हुई थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बातचीत को तनाव कम करने और शायद एक बड़े समझौते का रास्ता खोलने की दिशा में एक कदम बताया। एक और सीनियर अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका एक टिकाऊ शांति चाहता है, लेकिन उसने तुरंत सीजफायर की मांग नहीं की है। अमेरिका का ध्यान दोनों सरकारों के बीच भरोसा बनाने पर है ताकि हम शांति समझौते के लिए जगह बना सकें और भविष्य में होने वाली कोई भी समझ टिकाऊ हो सके। दोनों पक्षों को पॉलिटिकल माहौल बनाने की जरूरत है। अमेरिकी अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि वॉशिंगटन तनाव कम करने का समर्थन तो करता है, लेकिन वह बातचीत के अलग-अलग रास्तों को नहीं जोड़ रहा है। अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का इजरायल और लेबनान के बीच चल रही शांति वार्ता से कोई लेना-देना नहीं है। इजरायल लेबनान में एक अल्पकालिक युद्धविराम पर विचार कर रहा है, जो लगभग एक सप्ताह तक चल सकता है, हालांकि यह अभी अंतिम निर्णय नहीं है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हिजबुल्लाह इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा या नहीं। अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन विभिन्न वार्ता प्रक्रियाओं को आपस में जोड़ नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता को इजरायल-लेबनान शांति वार्ता से अलग रखा गया है। लेबनान में तनाव के हालात तब से हैं, जब इजरायल ने इस साल की शुरुआत में हिजबुल्लाह के रॉकेट हमलों के बाद सैन्य अभियान शुरू किया था। इस संघर्ष ने बड़ी संख्या में नागरिकों को विस्थापित किया है और क्षेत्रीय तनाव बढ़ा दिया है। वॉशिंगटन की मौजूदा रणनीति तत्काल समाधान के बजाय धीरे-धीरे प्रगति पर केंद्रित है, ताकि जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से बचा जा सके और स्थायी शांति का रास्ता तैयार हो सके।

## ईरान में अब ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी

**तेहरान, एजेंसी।** पश्चिम एशिया में तनाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक महीने से ज्यादा चले भीषण सैन्य टकराव के बाद भले ही अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम हुआ हो, लेकिन जंग अब नए मोर्चे पर पहुंच गई है। गोलियों और मिसाइलों की जगह अब आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल तेज हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की कमर तोड़ने के लिए कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की नई रणनीति तैयार कर ली है। ईरान के तेल कारोबार से लेकर वैश्विक बैंकिंग नेटवर्क तक, हर रास्ता बंद करने की कोशिश की जा रही है, जिससे ईरान पर चौतरफा दबाव बनाया जा सके। बढ़ते इस तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने अपना रुख साफ किया है कि वह ईरान पर और सख्त प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। इसमें उन देशों और बैंकों पर भी कार्रवाई शामिल हो सकती है, जो ईरान के तेल कारोबार से जुड़े हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कदम ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी के तहत उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि पिछले एक साल से ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव बनाया जा रहा है। इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिका अब उन देशों से भी सख्त कदम उठाने को कह रहा है, जिनके पास ईरान से जुड़े पैसे हैं।

## यूक्रेन को ब्रिटेन से मिला अब तक का सबसे बड़े हथियारों का पैकेज



**लंदन , एजेंसी।** यूक्रेन को ब्रिटेन की ओर से घोषित अब तक के सबसे बड़े ड्रोन पैकेज की आपूर्ति शुरू हो गई है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ड्रोन की खेप पहुंचनी शुरू हो चुकी है और इससे उसकी फ्रंटलाइन की ताकत मजबूत हो रही है। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि हम यूके के आभारी हैं, जिसने यूक्रेन के लिए अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन पैकेज दिया है। ये ड्रोन पहुंचने लगे हैं और हमारी फ्रंटलाइन को मजबूत कर रहे हैं। बयान के अनुसार, इस वर्ष यूक्रेन को कुल 1.2 लाख (120,000) ड्रोन मिलने की उम्मीद है। इस पैकेज में स्ट्राइक, टोही, लॉजिस्टिक्स और समुद्री ड्रोन शामिल हैं, जो युद्ध के अलग-अलग मोर्चों पर इस्तेमाल किए जाएंगे। इससे पहले ब्रिटेन ने घोषणा की थी कि वह 2026 में यूक्रेन को कम से कम 1.2 लाख ड्रोन उपलब्ध कराएगा। यह पहल ब्रिटेन की इस साल की करीब 3 अरब पाउंड (लगभग 4.07 अरब अमेरिकी डॉलर) की सैन्य सहायता योजना का हिस्सा है। इसके साथ ही यह त7 की एक्स्ट्राऑर्डिनरी रेवेन्यू एक्सेलरेशन फॉर यूक्रेन पहल से भी समर्थित है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है। दूसरी ओर, रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है। रूस ने कहा कि यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने से महाद्वीप सीधे तौर पर रूस के साथ संघर्ष में और अधिक उलझता जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि यूरोपीय नेताओं के ऐसे कदम उनकी सुरक्षा बढ़ाने के बजाय उन्हें युद्ध की ओर धकेल रहे हैं। मंत्रालय के मुताबिक, 26 मार्च को कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए ड्रोन उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया, खासकर उस समय जब यूक्रेनी सेना को बढ़ते नुकसान और जनशक्ति की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रूस ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी ड्रोन निर्माता कंपनियों की शाखाएं यूरोप के आठ देशों में सक्रिय हैं। इनमें से कुछ इकाइयां स्ट्राइक ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसे हथियारों के निर्माण में लगी हैं, जिनके उत्पादन के लिए यूरोप में अतिरिक्त फंडिंग भी बढ़ाई जा रही है।

## हिजबुल्लाह का भीषण प्रहार, 24 घंटे में इस्राइली ठिकानों पर 39 किए हमले; जंग तेज हुई तेज

**तेलअवीव, एजेंसी।** लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 39 सैन्य अभियान चलाए हैं। इन हमलों में इस्राइली बस्तियों, सैनिकों की टुकड़ियों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया गया। साथ ही दक्षिणी सीमा और उत्तरी इस्राइल में दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की झड़पें भी हुईं। अल जजीरा की रिपोर्ट में बात सामने आई है। इस बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि इस्राइली सेना दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान जारी रखेगी। नेतन्याहू ने बिंट जबील को हिजबुल्लाह का मुख्य गढ़ बताया और इसे पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया। इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के प्रमुख टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने लेबनान के अस्पतालों की हालत पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि दक्षिण लेबनान का 'तेबनीन सरकारी अस्पताल' गंभीर संकट में है। अप्रैल में अस्पताल के पास हुए दो अलग-अलग हमलों में इसे काफी नुकसान पहुंचा है। इन घटनाओं में 11 स्वास्थ्य कर्मी घायल हुए। अस्पताल का इमरजेंसी विभाग, वेंटिलेटर, मॉनिटर और फार्मेसी जैसी जरूरी चीजें खराब हो गई हैं। हालांकि कुछ सेवाएं अभी भी चालू हैं, टेड्रोस ने कहा कि डब्लयूएचओ प्राथमिकता वाली जरूरतों के आधार पर तत्काल आपातकालीन रखरखाव में सहायता कर रहा है। डब्लयूएचओ प्रमुख ने स्वास्थ्य सेवाओं पर हो रहे हमलों के आंकड़े भी साझा किए। संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर 133 हमले हुए हैं। इनमें 88 लोगों की मौत हुई और 206 लोग घायल हुए हैं। हमलों की वजह से 15 अस्पताल और 7 स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं, 5 अस्पतालों और 56 स्वास्थ्य केंद्रों को पूरी तरह बंद करना पड़ा है। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों, एम्बुलेंस और मरीजों की सुरक्षा की अपील की है। अल जजीरा के अनुसार, एक अन्य घटना में, दक्षिण लेबनान के मईफादौन में इस्राइली हमलों में कम से कम चार पैरामेडिक्स की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

# ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के अधिकारों पर समझौते से किया इनकार, यूएस पर युद्ध भड़काने का लगाया आरोप




**तेहरान , एजेंसी।** ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान अपने न्यूक्लियर संवर्धन अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को बताया कि न्यूक्लियर एनर्जी पर उसका अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर आधारित है। तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बाघेई ने पश्चिमी मीडिया में ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को लेकर फैल रही अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ईरान के वैध अधिकार पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण परमाणु संवर्धन का अधिकार किसी बाहरी शक्ति की कृपा या रियायत नहीं है, जिसे दबाव या संघर्ष के समय वापस लिया जा सके। जब तक ईरान एनपीटी का सदस्य है, उसे इस संधि के सभी प्रावधानों का पूरा लाभ मिलना चाहिए। पाकिस्तान में हाल ही में हुई ईरान-अमेरिका वार्ता को लेकर संवर्धन से जुड़ी चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए बाघेई ने कहा कि किसी भी संभावित समझौते के लिए पहले एक व्यापक ढांचा तय होना जरूरी है। जब तक बुनियादी शर्तें तय नहीं होतीं, तब तक युद्ध और शांति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत बातचीत जल्दबाजी होगी। लेबनान प्रतिरोध को लेकर उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा 'वैध प्रतिरोध' का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लेबनान में युद्ध समाप्त करना भी उस सीजफायर समझौते का हिस्सा था, जिस पर इस्लामाबाद वार्ता में चर्चा हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरा पक्ष (इजरायल) शुरू से ही सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं कर रहा है। बाघेई ने यह भी कहा कि किसी समझौते के तहत यदि एक पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता है, तो दूसरे पक्ष को भी अपनी जिम्मेदारियों को उसी अनुपात में समायोजित करने का अधिकार होता है।

उन्होंने इस दावे को पूरी तरह गलत बताया कि ईरान ने लेबनान में प्रतिरोध मोर्चों का समर्थन कम किया है। बाघेई ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर यूरोपीय प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ईरान और उसके क्षेत्रीय साझेदार इस महत्वपूर्ण जलमार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र का संरक्षक रहा है और पिछले 40 दिनों में जो भी व्यवधान हुए हैं, वे अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए संघर्ष का परिणाम हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बाहरी हस्तक्षेप से क्षेत्रीय स्थिति और जटिल हो सकती है।

# ईरान के साथ तनाव के चलते अमेरिका में गैस की कीमतों के पूर्वानुमान पर छाई अनिश्चितता

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में ईंधन की कीमतों के भविष्य को ईरान संघर्ष में हो रहे घटनाक्रमों से जोड़ दिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि पेट्रोल की कीमतों में लगातार गिरावट इस बात पर निर्भर करेगी कि होरमुज़ जलडमरूमध्य दोबारा खोला जाता है या नहीं और चल रही वार्ताओं में कितनी प्रगति होती है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार (स्थानीय समय) व्हाइट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि गैस की कीमतों में कमी का समय अभी अनिश्चित है। उन्होंने ईरान से जुड़े तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में आई बाधाओं का हवाला दिया। बेसेंट ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि 20 जून से 20 सितंबर के बीच किसी समय हम फिर से 3 डॉलर प्रति गैलन गैस देख सकते हैं,' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि परिणाम इस बात पर निर्भर करेंगे कि बातचीत कैसे आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि होरमुज़ जलडमरूमध्य अभी 'पूरी तरह से दोबारा नहीं खोला गया है,' और यह भी जोड़ा कि जैसे ही शिपिंग मार्ग सामान्य संचालन में लौटेंगे, ऊर्जा बाजार स्थिर हो जाएंगे। बेसेंट ने कहा कि मध्य पूर्व के वित्त मंत्रियों के साथ हुई चर्चाओं से संकेत मिलता है कि परिस्थितियां सुधरते ही तेल उत्पादन तेजी से फिर शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा, 'जैसे ही जलडमरूमध्य खुलता है, वे एक सप्ताह के भीतर फिर से उत्पादन शुरू कर सकते हैं।' प्रशासन ने कहा कि वह ईंधन की कीमतों पर नजर बनाए हुए है और खुदरा विक्रेताओं से अपील की है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने पर उसका लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि मौजूदा मूल्य दबाव ईरान की स्थिति से जुड़े एक व्यापक रणनीतिक प्रयास को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, 'यह संयुक्त राज्य अमेरिका के दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्य के लिए एक अल्पकालिक व्यवधान है।' इन प्रयासों का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। लेविट ने कहा कि जैसे ही ऑपरेशन समाप्त होंगे और जलडमरूमध्य फिर से खुलेगा, प्रशासन को उम्मीद है कि ईंधन की कीमतें घटेंगी। साथ ही उन्होंने घरेलू ऊर्जा उत्पादन पर सरकार के ध्यान का भी उल्लेख किया।

बेसेंट ने इस दृष्टिकोण को 'अल्पकालिक अस्थिरता, दीर्घकालिक लाभ के लिए' बताया। साथ ही, यह संकेत दिया कि अस्थायी आर्थिक दबाव एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। प्रशासन ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर करने के प्रयासों पर भी जोर दिया, जिसमें सहयोगी देशों और क्षेत्रीय भागीदारों के साथ समन्वय शामिल है।

## ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर बोले आईएईए प्रमुख- तेहरान बेहद महत्वकांक्षी, भ्रम में न पड़े अमेरिका




**तेहरान, एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक मारियानो राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम की जांच के लिए व्यापक उपाय शामिल किए जाने चाहिए। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम की सख्त और विस्तृत जांच की व्यवस्था के बिना कोई भी समझौता सिर्फ एक भ्रम साबित होगा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने साफ कहा है कि आईएईए निरीक्षकों को इसके लिए यदि पूरी पहुंच नहीं मिलती, तो ऐसा समझौता वास्तविक नहीं होगा। सियोल में संवाददाताओं से बात करते हुए ग्रॉसी ने कहा, 'ईरान का परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी और व्यापक है, इसलिए इन सभी पहलुओं के लिए आईएईए निरीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि परमाणु प्रौद्योगिकी पर किसी भी समझौते के लिए 'बेहद विस्तृत सत्यापन तंत्र' की जरूरत होती है।

**ईरान के परमाणु ठिकानों तक एजेंसी की पहुंच नहीं :** इससे पहले फरवरी की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान इस्राइल और अमेरिका द्वारा बमबारी किए गए परमाणु ठिकानों तक ईरान ने आईएईए को पहुंच नहीं दी। रिपोर्ट में कहा गया कि एजेंसी यह सत्यापित नहीं कर सकती कि ईरान ने संवर्धन से संबंधित सभी गतिविधियां बंद कर दी हैं या प्रभावित परमाणु सुविधाओं में ईरान के यूरेनियम भंडार का आकार कितना बड़ा है। ईरान लंबे समय से अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता आया है। वहीं, आईएईए और पश्चिमी देशों का दावा है कि तेहरान के पास 2003 तक संगठित परमाणु हथियार कार्यक्रम था। आईएईए के अनुसार, ईरान के पास 60% तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम मौजूद है। ग्रॉसी ने कहा, ईरान अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाता है, तो यह भंडार 10 परमाणु बम बनाने योग्य होगा। ग्रॉसी ने बताया कि उत्तर कोरिया के परमाणु ठिकानों पर गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उनकी टिप्पणी उन विदेशी पर्यवेक्षकों के नजरिये से मेल खाती है, जो मानते हैं कि वर्ष 2019 में अमेरिका के साथ कूटनीति विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने मुख्य योंगब्योन परमाणु परिसर का विस्तार किया है और अतिरिक्त यूरेनियम संवर्धन केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए हैं। घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि आईएईए की कड़ी शर्तें अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते को प्रभावित कर सकती हैं। राफेल ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय पर आया है।

# आसिम मुनीर ही हैं असली मालिक ! पाकिस्तान के पूर्व मंत्री बोले- ट्रंप ने तो शरीफ का नाम तक नहीं लिया

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** ऐसे समय में जब ईरान और अमेरिका के बीच राजनयिक वार्ताओं के संदर्भ में पाकिस्तान चर्चा के केंद्र में है, तो एक जाना-पहचाना सवाल फिर से सामने आया हैः इस्लामाबाद में इस मध्यस्थता का नेतृत्व असल में कौन कर रहा है? पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने इस पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर ही 'पाकिस्तान का नेतृत्व कर रहे हैं' और सारे फैसले लेने का अधिकार उन्हीं के पास है। एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका-ईरान मध्यस्थता वार्ता की कमान किसके हाथों में है, तो चौधरी ने कहाः ईमानदारी से कहूं तो इसमें कोई दो राय नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान का नेतृत्व जनरल असीम मुनीर कर रहे हैं। वे ही पाकिस्तान के वास्तविक (ष्ठद्ग द्धड्डष्ह्लश) नेता हैं। अभी निर्णय लेने की सारी शक्ति फील्ड मार्शल (सीडीएफ) के पास ही है... यहां तक कि कल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जनरल असीम मुनीर को ही पाकिस्तान का नेता बताया, और उन्होंने (प्रधानमंत्री) शहबाज शरीफ का नाम लेने की जहमत तक नहीं उठाई।

**ईरान गया पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल :** ईरान की सरकारी मीडिया ने बुधवार को बताया कि एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका का एक विशेष संदेश लेकर ईरान पहुंचा है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने ईरानी मीडिया के हवाले से बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) के बीच दूसरे दौर की बातचीत की रूपरेखा भी तैयार कर सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बघाई ने भी अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद में हुई पिछली चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए तेहरान में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पहुंच चुका है।

**पहली वार्ता रही बेनतीजा और अमेरिका की 'अवास्तविक' मांगें :** पिछले सप्ताहांत पाकिस्तान के इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत किसी भी ठोस या निर्णायक नतीजे पर पहुंचने में विफल रही थी। एएफपी न्यूज एजेंसी ने प्रवक्ता बघाई के हवाले से बताया कि रविवार को जब से ईरानी प्रतिनिधिमंडल वापस तेहरान लौटा है, तब से पाकिस्तान के माध्यम से दोनों देशों के बीच कई संदेशों का आदान-प्रदान किया गया है। बघाई ने यह भी स्पष्ट किया कि पहली वार्ता के दौरान अमेरिका की कुछ मांगें बेहद अनुचित और अवास्तविक थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वे मांगें वास्तव में क्या थीं।

**डोनाल्ड ट्रंप का बयान और अमेरिकी नाकेबंदी :** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस बात के संकेत दिए हैं कि तेहरान के साथ शांति वार्ता इसी सप्ताह फिर से शुरू हो सकती है। बातचीत की यह कोशिश ऐसे तनावपूर्ण माहौल में हो रही है जब अमेरिकी सेना ने समुद्र में कड़ी नौसैनिक नाकेबंदी कर दी है। अमेरिका का दावा है कि इस नाकेबंदी के कारण ईरान के साथ होने वाला समुद्री व्यापार पूरी तरह से कट गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को 'न्यूयॉर्क पोस्ट' को बताया कि पाकिस्तान में ईरान के साथ एक नए दौर की बातचीत 'अगले दो दिनों के भीतर' होने वाली है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com